सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 330 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 13 सितंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

जादू टोना के शक में मासूम सहित चार लोगों की हत्या, पड़ोसी पिता-पुत्रों ने दिया वारदात को अंजाम

बलौदा बाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार जिले जादू टोना के शक में एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई। पड़ोस में रहने वाले शख्स ने अपने दो बेटों के साथ मिलकर यह खूनी खेल खेला। मृतकों में दो महिला, एक पुरुष और एक सालभर का मासूम छोटा बच्चा शामिल है। घटना गुरुवार देर शाम करीब 7.30 बजे की बताई जा रही है। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार बलौदाबाजार जिले के छरछेद गांव में एक साल के मासूम बच्चे के साथ कुल चार लोगों की खून से लथपथ लाशें मिली। मृतकों की पहचान चेतराम (40), जमुना बाई केवट (34), यशोदा बाई केवट (35) और एक साल के बच्चे के रूप में हुई है। उनके ऊपर लाठी-डंडे और कुल्हाड़ी से वार किए गए। लोगों ने इसकी सूचना कसडोल पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में पड़ोस में रहने वाले रामनाथ पाटले पुत्र सुखी पाटले, दीपक पाटले पुत्र रामनाथ पाटले और दिल पाटले पुत्र रामनाथ पाटले को हिरासत में ले लिया।

बताया जा रहा है कि इन चारों की हत्या जादू टोना के शक में की गई है। आरोपी परिवार का एक बच्चा बीमार रहता था और इसके लिए चैतराम के परिवार को जिम्मेदार माना जा रहा था। आरोपी पिता व पुत्रों को लगता था कि चैतराम के परिवार वालों ने उनके बच्चे पर जादू टोना किया है इसलिए उसकी बीमारी ठीक नहीं हो रही है। इसके कारण वे पूरे परिवार को खत्म करना चाहते थे लेकिन वारदात के समय दो लोग घर पर नहीं थे इसलिए उनकी जान बच गई। पुलिस ने घटनास्थल को को सील कर दिया गया है।

'दुर्ग पुलिस को और मेहनत करने की जरूरत'

कलेक्टर्स-एसपी कांफ्रेंस के दूसरे दिन भी दिखा सीएम साय का आक्रामक रूख

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। कलेक्टर्स और पुलिस अधीक्षक कांफ्रेंस के दूसरे दिन भी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आक्रामक रूख नजर आया। कल मुख्यमंत्री श्री साय ने कलेक्टरों को सख्त हिदायत दी थी, वहीं आज उन्होंने पुलिस अधीक्षकों को कई नसीहतों के साथ दिशा-निर्देश दिए। दुर्ग रेंज से पहले मुख्यमंत्री बिलासपुर रेंज से समीक्षा शुरू की और बिलासपुर रेंज में अपराधों में आई कमी पर संतोष जाहिर किया, लेकिन साथ ही यह हिदायत भी दी कि इससे संतोष नहीं करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सरकार सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, संभागायुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज जिलों में कानून और व्यवस्था समेत अपराधों की रोकथाम के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा प्रारम्भ की। इसके साथ ही भविष्य में पुलिसिंग को और अधिक विश्वनीय, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाने की दिशा में किए जा सकने वाले सुझावों पर भी चर्चा की। दुर्ग रेंज पुलिस के कार्यों पर असंतोष जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दुर्ग पुलिस रेंज को और ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दुर्ग में हत्या और डकैती के मामले कई महीनों में भी सुलझ नहीं पा रहे हैं। यह सही नहीं है। उन्होंने ऐसे मामलों को जल्द से जल्द सुलझाने और भविष्य में बेहतर नतीजों के साथ काम करने को भी कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्ग रेंज में कई मामलों के आरोपी लम्बे समय से फरार चल रहे हैं। इस दिशा में जल्द कार्रवाई होनी चाहिए।

किसान सम्मान निधि में धोखाधड़ी के मामलों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि किसान सम्मान निधि में धोखाधड़ी के मामले सामने आए थे। ऐसी गड़बड़ियां भविष्य में दोबारा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रतिबंधात्मक मामलों में किसी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए और जिलाबदर की कार्रवाई केवल कागजों पर ही नहीं बल्कि में भी दिखनी चाहिए। श्री साय ने कहा कि पूरे देश की तरह छत्तीसगढ़ में नए कानून लागू हो चुके हैं। इन कानूनों की जानकारी को बेहतर तरीके से स्वीकार करने की जरूरत है। उसी के मुताबिक ट्रेनिंग कर पुलिस स्वयं को अपडेट करती रहे। कलेक्टर्स और पुलिस अधीक्षक कांफ्रेंस के दूसरे दिन के पहले सत्र में मुख्यमंत्री श्री साय ने पहले बिलासपुर और फिर दुर्ग रेंज की समीक्षा बैठक ली।

इससे पहले बिलासपुर रेंज की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने इस बात पर संतोष जाहिर किया कि इस रेंज में अपराधों में कमी आई है। उन्होंने कहा कि लेकिन इससे हमें संतोष करके चुपचाप नहीं बैठ जाना है। बेहतर कार्य करके जनता के प्रति और ज्यादा जवाबदेह होना है। श्री साय ने कहा कि प्रदेश की सरकार सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में बिलासपुर रेंज में अपराधों में कमी आई है। लेकिन जिलाबदर और प्रतिबंधात्मक संबंधी कार्रवाई रूकनी नहीं चाहिए। उन्होंने बैठक में मौजूद कलेक्टर्स व एसपी से टीम भावना के साथ आपसी समन्वय से काम करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक मामलों में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई हो। इसी तरह हत्या जैसे गम्भीर मामलों में भी कार्रवाई में देरी नहीं होनी चाहिए। ऐसे मामलों को जल्द निपटारा होना चाहिए।

गौ तस्करी और दीगर क्षेत्रों से छत्तीसगढ़ में आने वाली नशे की खेप को बहुत बड़ी समस्या बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पर नियंत्रण पाना नितांत आवश्यक है। ऐसे मामलों में एंड टू एंट कार्रवाई होनी चाहिए। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री साय गुरूवार और शुक्रवार को दो दिनों तक कलेक्टर्स और पुलिस अधीक्षक कांफ्रेंस ले रहे हैं। गुरूवार को उन्होंने कलेक्टरों को मिशन मोड पर काम करने को कहा था। कल उन्होंने 8 घंटे तक मैराथन कांफ्रेंस कर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की थी। उन्होंने कलेक्टरों को आम जनता के हितों को केन्द्र में रखकर संवेदनशीलता से काम करने को कहा था। साथ ही आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान करने, शासन की फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी तरह की कोताही नहीं बरतने और इन योजनाओं का सौ फीसद लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए थे। उन्होंने स्पष्ट हिदायत दी कि प्रशासन के कार्यों से जनता के मन में शासन और प्रशासन के प्रति विश्वास का भाव उत्पन्न होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट से अरविंद केजरीवाल को मिली जमानत

103 दिन बाद जेल से बाहर आएंगे

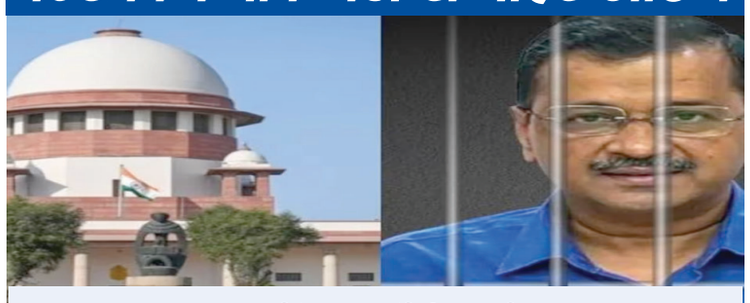

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट से आबकारी नीति घोटाले मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दो याचिकाओं पर फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने आबकारी नीति भ्रष्टाचार मामले में मुख्यमंत्री केजरीवाल को नियमित जमानत देने का फैसला सुनाया। इस संबंध में न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां ने उनके फैसले पर सहमति जताई। कोर्ट ने केजरीवाल को 10 लाख रुपये के मुचलके और दो जमानत राशियों पर जमानत दी। सीबीआई की गिरफ्तारी से जुड़ी याचिका पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अपीलकर्ता की गिरफ्तारी अवैध नहीं थी।

ईडी मामले में केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से 12 जुलाई को जमानत मिली थी। ऐसे में अब उनके जेल से बाहर आने का रास्ता साफहो गया है। उन्होंने 103 दिन पहले यानी 2 जून को अंतरिम जमानत की मियाद पूरी होने के बाद सरेंडर किया था। माना जा रहा है कि वे आज ही जेल से बाहर आ सकते हैं। दरअसल, केजरीवाल ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज भ्रष्टाचार के मामले में अपनी गिरफ्तारी और जमानत से दिल्ली हाईकोर्ट के इनकार को चुनौती देते हुए दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की थीं। पीठ ने पांच सितंबर को केजरीवाल की याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। सीबीआई ने इस मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख को 26 जून को गिरफ्तार किया था।

जस्टिस कांत ने कहा कि तर्कों के आधार पर हमने 3 प्रश्न तैयार किए हैं। क्या गिरफ्तारी अवैधता थी? क्या अपीलकर्ता को नियमित जमानत दी जानी चाहिए? क्या आरोप पत्र दाखिल करना परिस्थितियों में इतना बदलाव है कि उसे ट्रायल कोर्ट में भेजा जा सके? उन्होंने आगे कहा कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति को गिरफ्तार करना कोई गलत बात नहीं है। हमने पाया है कि सीबीआई ने अपने आवेदन में उन कारणों को बताया है कि उन्हें क्यों ये जरूरी लगा। धारा 41ए (iii) का कोई उल्लंघन नहीं है। हमें इस तर्क में कोई दम नहीं लगता कि सीबीआई ने धारा 41ए सीआरपीसी का अनुपालन नहीं किया।

फैसला सुनाते हुए जस्टिस भुइयां ने कहा कि गिरफ्तारी की आवश्यकता और समय पर मेरा एक निश्चित दृष्टिकोण है। इसलिए मैं इस दृष्टिकोण से सहमत हूं कि अपीलकर्ता को जमानत पर रिहा किया जाना चाहिए। ऐसा प्रतीत होता है कि ईडी मामले में अपीलकर्ता को नियमित जमानत दिए जाने के बाद ही सीबीआई सक्रिय हुई और हिरासत की मांग की। ईडी मामले में रिहाई के समय केजरीवाल को गिरफ्तार करने की सीबीआई की जल्दबाजी समझ से परे है, जबकि 22 महीने तक उसने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया। इस तरह की कार्रवाई गिरफ्तारी पर गंभीर प्रश्न उठाती है।

न्यायमूर्ति भुइयां ने सीबीआई द्वारा केजरीवाल को गिरफ्तार किए जाने के समय पर सवाल उठाया और कहा कि एजेंसी का उद्देश्य ईडी मामले में उन्हें जमानत दिए जाने में बाधा डालना था। उन्होंने कहा कि सहयोग न करने का मतलब आत्म-दोषारोपण नहीं हो सकता। सीबीआई को ऐसी धारणा दूर करनी चाहिए कि वह पिंजरे में बंद तोता है,उसे दिखाना चाहिए कि वह पिंजरे में बंद तोता नहीं है। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि केजरीवाल के गोलमोल जवाबों का हवाला देकर सीबीआई गिरफ्तारी को उचित नहीं ठहरा सकती और हिरासत में रखे नहीं रह सकती। जब केजरीवाल को ईडी मामले में जमानत मिल गई है तो उन्हें हिरासत में रखना न्याय की दृष्टि से ठीक नहीं होगा।

जहां तक गिरफ्तारी के आधारों का सवाल है तो ये गिरफ्तारी की आवश्यकता को पूरा नहीं करते हैं। सीबीआई गिरफ्तारी को उचित नहीं ठहरा सकती है और टालमटोल वाले जवाबों का हवाला देते हुए हिरासत जारी रख सकती है। आरोपी को दोषपूर्ण बयान देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। इन आधारों पर अपीलकर्ता को हिरासत में रखना न्याय का उपहास है, खासकर तब जब उसे अधिक कठोर पीएमएलए में जमानत दी गई है।

कोर्ट ने कुछ शर्तें भी लगाईं

कोर्ट ने कहा कि अपीलकर्ता मामले के बारे में सार्वजनिक रूप से कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं करेगा। ईडी मामले में लगाई गई शर्तें इस मामले में भी लागू होंगी। वह ट्रायल कोर्ट के साथ पूरा सहयोग करेगा।

जमानत देने का फैसला सुनाया

उन्होंने कहा कि जमानत पर हमने विचार किया है। मुद्दा स्वतंत्रता का है। लंबे समय तक कारावास आजादी से अन्याय के बराबर है। फिलहाल हमे लगता है कि केस का नतीजा जल्द निकलने की संभावना नहीं है। सबूतों और गवाहों से छेड़छाड़ को लेकर अभियोजन पक्ष की आशंकाओं पर विचार किया गया। उन्हें खारिज करते हुए हमने निष्कर्ष निकाला है कि अपीलकर्ता को जमानत दी जानी चाहिए।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने बनाया खास रिकार्ड, सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स की संख्या 100 करोड़ के पार

वर्ल्ड न्यूज (एजेंसी)। दुनिया के महानतम फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर एक खास रिकॉर्ड बनाया है। वह सोशल मीडिया पर एक बिलियन यानी 100 करोड़ फॉलोअर्स का आंकड़ा छूने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बन गए। 39 वर्षीय रोनाल्डो ने यूट्यूब अकाउंट बनाया था और एक सप्ताह के अंदर उसके फॉलोअर्स की संख्या 50 मिलियन यानी पांच करोड़ का आंकड़ा पार कर गई। उन्होंने इस दौरान कई रिकॉर्ड तोड़े। इसके बाद उनकी लोकप्रियता उनके नए लॉन्च किए गए इंस्टाग्राम चैनल की बदौलत और बढ़ गई है।

आंकड़ो के अनुसार रोनाल्डो के सबसे ज्यादा फॉलोवर्स इंस्टाग्राम पर हैं। इंस्टाग्राम पर रोनाल्डो के 639 मिलियन यानी 63.9 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके 100 करोड़ फॉलोअर्स का सबसे बड़ा हिस्सा है। मैनचेस्टर यूनाइटेड और रियल मैड्रिड के इस पूर्व खिलाड़ी के फेसबुक पर 170.5 मिलियन यानी 17 करोड़ और 'एक्स' पर 113 मिलियन यानी 11 करोड़ फॉलोअर्स हैं। चीनी प्लेटफॉर्म वीबो और कुआइशू पर भी उनके कुछ फॉलोअर्स मौजूद हैं।

फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने खुद सोशल मीडिया पर एक नोट साझा किया और बताया कि उन्होंने इंटरनेट पर एक बिलियन का आंकड़ा पार कर लिया है। उन्होंने लिखा, 'हमने इतिहास बनाया है। 1 बिलियन फॉलोअर्स! यह सिर्फ एक संख्या नहीं, बल्कि उससे ज्यादा है। यह हमारे साझा जुनून और प्यार का हिस्सा है। मदीरा की सड़कों से लेकर दुनिया के सबसे बड़े स्तर तक, मैंने हमेशा अपने परिवार और आपके लिए खेला है। अब हम एक बिलियन के आंकड़े पर एक साथ खड़े हैं। आप हर कदम पर, सभी उतार-चढ़ावों में मेरे साथ रहे हैं। यह यात्रा हमारी यात्रा है और हमने दिखाया है कि हम जो हासिल कर सकते हैं उसकी कोई सीमा नहीं है।' रोनाल्डो ने लिखा, 'मुझ पर विश्वास करने के लिए, आपके समर्थन के लिए और मेरे जीवन का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद। सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी है और हम एक साथ जीतते रहेंगे, जीतेंगे और इतिहास बनाते रहेंगे।'

कानफोड़ू शोर-शराबे के खिलाफ ऐक्शन

श्रीकंचनपथ

कानफोड़ू शोर-शराबे के खिलाफ अब सरकार ऐक्शन मोड में है। छत्तीसगढ़ आवास एवं पर्यावरण विभाग ने प्रदेश के सभी कलेक्टर और एसपी को ध्वनि प्रदूषण के मामलों में स्वत: संज्ञान लेकर कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये हैं। ऐसे मामलों में साउंड बाक्स जब्त कर गाड़ी का रिकार्ड रखा जावे। बार-बार पकड़े जाने पर वाहन का परमिट निरस्त कर दिया जावे तथा हाईकोर्ट के आदेश के बिना ऐसे वाहनों को नया परमिट जारी नहीं किया जावे। उल्लंघन पाये जाने पर संबंधित अधिकारी पर भी अवमानना की कार्यवाही की जा सकेगी। शादी-ब्याह, जन्मदिन और धार्मिक सामाजिक कार्यक्रमों में ध्वनि प्रदूषण होने पर नम्रता के साथ हाईकोर्ट के आदेश का पालन कराने की कोशिश की जाएगी। आयोजक के विरोध करने पर उसके विरूद्ध अदालती कार्यवाही की जाएगी। गाड़ियों में प्रेशर हार्न और मल्टी टोन्ड हार्न मिलने पर उसे मौके पर ही वाहन से निकालकर नष्ट करने तथा ऐसे वाहनों के नम्बर के साथ मालिक और चालक का डाटा रखा जाएगा तथा दोबारा अपराध करने पर वाहन जप्त किया जावेगा। ऐसे वाहनों को हाईकोर्ट के आदेश के बिना नहीं छोड़ा जा सकेगा। स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, कोर्ट, आफिस से 100 मीटर के दायरे में लाउड स्पीकर बजने पर कलेक्टर, एसपी, डीएसपी या प्राधिकृत अधिकारी ध्वनि प्रदूषण यंत्रों को जप्त करेंगे जिन्हें बिना मजिस्ट्रेट की अनुमति के लौटाया नहीं जाएगा। गलती दोहराने पर जप्त प्रदूषण यंत्रों को उच्च न्यायालय के आदेश के बिना वापस नहीं किया जावेगा। दरअसल, देश चंदाखोरी और विराट धार्मिक आयोजनों से हलाकान है पर इसके बारे में सीधे-सीधे कुछ कहने की हिम्मत किसी में नहीं है। देव प्रतिमा लाने से लेकर उसके विसर्जन तक के जुलूस का सबसे अहम हिस्सा यही डीजे है। डीजे न हो तो मोहल्ले को भी पता न चले कि कब देव आए और कब प्रस्थान कर गए। डीजे चला दो तो फिर कोई नहीं देखता कि साथ की गाड़ी में कोई देव हैं भी या नहीं। दर्जनों की संख्या में लोग डीजे की धुन पर कार्डियो करने लग जाएंगे। ऐसे लोगों के कान के पर्दे भले ही फट जाएं पर उनके दिल की सेहत बढ़िया बनी रहती है। ऐसे नाचने वाले सिर्फ मौके की तलाश में होते हैं। जहां तेज संगीत मिला, वे हवा में हाथ-पैर उछालने लगते हैं। स्कूल कालेज के सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी अब नाटक कम और नाच ज्यादा होता है। इसमें भी एक पूरे डांस से कोई खुश नहीं है। तीन-चार गानों को मिलाकर एक लंबा सा खिचड़ी-गीत बना लेते हैं और फिर कान फोड़ू संगीत पर नाचने लगते हैं। वैसे डीजे के खिलाफ ऐसे आदेश कोई पहली बार नहीं दिये गये हैं। बॉक्स लगे वाहनों को जब्त करने के फरमान पहले भी जारी हुए हैं पर इसका असर उलटा ही हुआ है। साल-दर-साल इनकी संख्या लगातार बढ़ती चली जा रही है। सड़कों पर चल रहे इन डीजे काफिलों में दमकल, एम्बुलेंस से लेकर खुद पुलिस की गाड़ी भी फंस जाती है।

संपादकीय

बुजुर्गों को बल

भारत युवाओं का देश है, पर बुजुर्गों की संख्या भी समय के साथ बढ़ती चली जाएगी। ऐसे में, केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को वित्तीय लाभ देने का जो फैसला किया है, वह बहुत सुखद और स्वागत योग्य है। सबसे खास बात यह है कि इस योजना का लाभ सभी बुजुर्गों को मिलेगा। पहले सरकार यह मानकर चल रही थी कि जो बुजुर्ग आर्थिक रूप से सक्षम हैं, वो अपना चिकित्सा खर्च आसानी से उठा सकते हैं। अब यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है कि इस योजना का लाभ 70 वर्षीय होते ही हर भारतीयों को मिलने लगेगा।

> आयुष्मान योजना को दुनिया में सबसे बड़ी चिकित्सा बीमा योजना माना जाता है और उसमें हुआ यह विस्तार भारत के बेहतर होते भविष्य का ही एक संकेत है। भारत में बुजुर्गों की स्वास्थ्य सुरक्षा का प्रबंध बहुत जरूरी है और समय के साथ उनकी सुविधाओं को बढ़ाते जाना अनिवार्य है। अगर किसी भी बुजुर्ग को अब पांच लाख रुपये तक के इलाज के लिए परेशान न होना पड़े, तो यह हमारे समाज के लिए बहुत अच्छी बात होगी। योजना से असंख्य बुजुर्गों को नई जिंदगी मिलेगी और उनकी उम्र भी बढ़ेगी।

अपने देश के करीब छह करोड़ वरिष्ठ नागरिक अब सार्वभौमिक स्वास्थ्य सुरक्षा के दायरे में आ रहे हैं, तो यह प्रमाण है कि आज अपने देश की सरकार आर्थिक रूप से सक्षम है। लोग भारी मात्रा में टैक्स चुका रहे हैं, तो उसका लाभ विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उन तक लौटना ही चाहिए। एक लोक कल्याणकारी सरकार का यही सही स्वरूप है। सरकार का एक अनुमान है कि इस योजना से लगभग 4.5 करोड़ परिवारों तक लाभ पहुंचेगा। ऐसे अनेक आंकड़े हैं, जो बताते हैं कि इलाज के भारी खर्च की वजह से बड़ी संख्या में लोग गरीब हो जाते हैं। किसी को कर्ज लेना पड़ता है, तो किसी को जायदाद बेचनी पड़ती है। ध्यान रहे, आज आयुष्मान योजना की वजह से 12 करोड़ से ज्यादा परिवार लाभ के दायरे में हैं। शायद एक दिन ऐसा आएगा कि एकदम अमीर या सक्षम लोगों के अलावा सभी आम लोग ऐसी ही किसी योजना के दायरे में आ जाएंगे। अपेक्षाकृत तेज आर्थिक तरक्की के बीच हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत में सामाजिक सुरक्षा कमजोर पड़ रही है। स्वास्थ्य सेवा की लागत भी लगातार बढ़ रही है। सामान्य इलाज में भी हजारों रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। ज्यादातर दवाइयों पर टैक्स है, ज्यादातर स्वास्थ्य सेवाओं पर टैक्स है, पर आजकल सबसे ज्यादा चर्चा चिकित्सा बीमा पर लगने वाले टैक्स की है। स्वयं सरकार के अंदर से यह आवाज उठी है कि स्वास्थ्य बीमा के मद में लोगों से टैक्स या जीएसटी वसूली उचित नहीं है। इस पर भी अवश्य विचार होना चाहिए।

हालांकि, एक बड़ी चिंता यह है कि ऐसी योजना का लाभ वास्तव में जरूरतमंदों को आसानी से नहीं मिलता। अनेक अस्पताल योजना के तहत इलाज करने से इनकार कर देते हैं। गरीबों या अभावग्रस्त लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाने या बनवाने के प्रति भी पर्याप्त सजगता नहीं है। निजी अस्पतालों को पाबंद किया जाना चाहिए और जिम्मेदार अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी जरूरतमंद या बुजुर्ग धन के अभाव में इलाज से वंचित न रहने पाए। यह सवाल भी बनता है कि रिटायरमेंट की उम्र 58 साल है, तो स्वास्थ्य बीमा का लाभ 70 की उम्र से क्यों शुरू होना चाहिए?

नजरिया

बदलते और बिगड़ते मौसम के साथ तालमेल जरूरी

भारत में मानसून का समय लगभग समापन के कगार पर है। इस मानसून में कहीं ज्यादा बारिश हुई है, तो कहीं जरूरत से कम। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड के ज्यादातर इलाके अपर्याप्त वर्षा से जूझ रहे हैं।

एस के सिंह, कृषि वैज्ञानिक, आरपीसीएयू

पिछले एक दशक में दक्षिण-पश्चिम मानसून की वर्षा ने बिहार और उत्तर प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में लगातार गिरावट दिखाई है। बिहार को ही अगर देखें, तो कृषि क्षेत्र के लिहाज से यह काफी अहम राज्य है, जो देश के कृषि उत्पादन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस वर्ष बिहार में अब तक 735.8 मिमी वर्षा हुई है, जो औसत से काफी कम है। बिहार में वर्षा सामान्यत: 1,200 से 1,300 मिलीलीटर होती है। पिछले एक महीने को देखें, तो हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड व दिल्ली में अच्छी बारिश हुई है, जबकि उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड में 36 प्रतिशत से 52 प्रतिशत तक कम बारिश हुई है। जलवायु वैज्ञानिकों ने ग्लोबल वार्मिंग के चलते चरम मौसम की घटनाओं में वृद्धि की भविष्यवाणी कर रखी है, जिससे लंबे समय तक सूखा पड़ सकता है। साथ ही, कुछ इलाकों में अधिक गंभीर व लगातार बाढ़ आ सकती है। मौसम के पैटर्न में यह अस्थिरता कृषि स्थिरता के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा है। सूखा और बाढ़, दोनों ही फसलों पर विनाशकारी प्रभाव डाल सकते हैं। ये फसल चक्र को बाधित करेंगे और पौधों की वृद्धि को रोकेंगे। इससे पैदावार कम होगी और खाद्य सुरक्षा नकारात्मक रूप से प्रभावित होगी।

इसके अतिरिक्त, तूफानों की तीव्रता और आवृत्ति में भी वृद्धि होने की आशंका है, जो कृषि पद्धति को और जटिल बना देगा। किसानों को तैयार रहना चाहिए, खेती की लागत बढ़ सकती है, क्योंकि किसानों को ऐसी चरम स्थितियों से सुरक्षात्मक उपाय में निवेश के लिए मजबूर होना पड़ेगा। जाहिर है, इससे न केवल उत्पादन लागत बढ़ेगी, बल्कि कई लोगों के लिए खेती-किसानी को यह और अनिश्चित व्यवसाय बना देगा, खासकर छोटे किसानों को खर्चे निकालने के लिए बहुत जूझना पड़ेगा।

जैसे-जैसे तापमान बढ़ेगा और वर्षा के पैटर्न बदलेंगे, कुछ फसलें जो अभी विशिष्ट क्षेत्रों में होती हैं, वे भविष्य में व्यावहारिक नहीं रह जाएंगी। यह बदलाव किसानों को उन फसलों को छोड़ने के लिए मजबूर कर सकता है, जिन्हें वे पीढ़ियों से उगाते आ रहे हैं। किसानों को अब अपरिचित, किंतु फायदेमंद फसलों की ओर आना ही पड़ेगा। वार्षिक फसलों को बदलना अपेक्षाकृत आसान हो सकता है, पर यह बदलाव तब अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है, जब फलों की पैदावार की बात आती है। मौसम चक्र जब बदल रहा है, तो कीट प्रजातियों को भी बढ़ावा मिलने की आशंका है। ऐसे में, रासायनिक कीटनाशकों पर अधिक निर्भर होने की विवशता पैदा होगी। अनाज और फलों को गुणवत्तापूर्ण बनाए रखने के लिए जूझना पड़ेगा। साथ ही, खाद्य वस्तुओं की कीमतों को वाजिब रखने में भी समस्या बढ़ती जाएगी।

अनिश्चित या बदलते मौसम के अनुरूप अब किसानों को जल प्रबंधन तकनीक का ज्ञान होना जरूरी है। कम वर्षा या अत्यधिक वर्षा की स्थिति में फसलों को बचाने और बढ़ाने के लिए प्रभावी जल प्रबंधन महत्वपूर्ण है। ड्रिप सिंचाई, मल्चिंग, वर्षा जल संचयन सीखना अब बहुत जरूरी है। कहीं पर सूखा प्रतिरोधी और कहीं बाढ़ प्रतिरोधी कौशल प्रशिक्षण की जरूरत पड़ेगी।

फसलों पर असर पड़ रहा है, जिसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। जैसे, अभी तक मैंने केले में अत्यधिक ठंड की वजह से गुच्छे को आभासी तने से ठीक से बाहर निकलते नहीं देखा था, लेकिन इस बार अत्यधिक गर्मी या सूखे की वजह से गुच्छे आभासी तने से ठीक से बाहर नहीं आ पा रहे। केला उत्पादक किसान पहली बार इस तरह की समस्या को झेल रहे हैं। इस समस्या को 'थ्रोट चॉकिंग' कहते हैं। ऐसी न जाने कितनी समस्याओं से किसानों व वैज्ञानिकों को जूझना पड़ेगा।

बदलते दौर में किसानों को प्रशिक्षित करना सबसे जरूरी हो गया है। टिकाऊ खरीफ फसल किस्में : ज्वार, बाजरा के साथ ही दूसरे मोटे अनाजों पर भी काम करना जरूरी है। अरहर जैसी खरीफ फसलों की उन्नत किस्मों का चयन जरूरी है। बदलते मौसम या मौसम चक्र से घबराने की नहीं, बल्कि अपने आप को चुनौतियों के लिए तैयार रखने पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अतीत और वर्तमान, बाधाओं से जूझती रही हिंदी

उमेश चतुर्वेदी

हिंदी की जब भी चर्चा होती है, दो तरह के भाव आते हैं। इसे लेकर पहला भाव उत्साह और गर्वबोध वाला होता है। हिंदी के क्षितिज के लगातार हो रहे विस्तार और उसके गर्वीले अतीत को लेकर हिंदीप्रेमी जहां उत्साह से भर उठते हैं, वहीं अंग्रेजी माध्यम से पढ़े गुलामी की मानसिकता वालों के चेहरे पर विद्रूप और व्यंग्यभरी मुस्कान चिपक जाती है। दक्षिण और पूर्वी भारत के कुछ इलाकों के राजनीतिक तो हिंदी से अछूत जैसा व्यवहार करने में स्वयं जहां गर्वबोध का अनुभव करते हैं, वहीं अपने समर्थकों को हिंदी को दुश्मन की तरह मानने के लिए उकसाने में भी पीछे नहीं रहते। इसके बावजूद हिंदी का प्रभाव क्षेत्र बढ़ता जा रहा है, विशेषकर आमजन की बोली-बानी के रूप में यह स्थापित होती जा रही है। इतने सारे विरोध के बावजूद और अड़ंगे के बावजूद हिंदी अगर बढ़ती नजर आ रही है तो मानना पड़ेगा कि उसमें कुछ बात जरूर है। हिंदी के इस प्रभावी हश्र पर इकबाल की पंक्तियां याद आना स्वाभाविक है,

कुछ बात है कि हस्ती, मिटती नहीं हमारी।
सदियों रहा है दुश्मन, दौर-ए-ज़माँ हमारा।।

हिंदी की राह में आजादी के पहले ज्यादा बाधाएं नहीं थीं। इसकी शायद यह बड़ी वजह रही कि भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के अगुआ महात्मा गांधी स्वयं हिंदी के हिमायती थे। उनके पहले केशव चंद्र सेन, लोकमान्य तिलक जैसी हस्तियां भी देश के हृदयों को नजदीक लाने में हिंदी की सामर्थ्य को पहचान चुके थे। इसीलिए गैर हिंदीभाषी होने के बावजूद उन्होंने स्वाधीनता आंदोलन की केंद्रीय भाषा हिंदी को बनाने की कोशिश की और भावी भारत की भाषायी जरूरतों के लिहाज से हिंदी को तैयार करने की कोशिश भी की। दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, कर्नाटक हिंदी प्रचार सभा, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति जैसी संस्थाओं की स्थापना का उद्देश्य हिंदी को भावी भारत की भाषायी जरूरत के लिहाज से ना सिर्फ तैयार करना था, बल्कि भारतीय भाषाओं के बीच मजबूत सेतु के रूप में स्थापित करना भी था। हिंदी इस दिशा में आगे बढ़ती रही। कांग्रेस के दस्तावेज भले ही अंग्रेजी बनते रहे, लेकिन बहसों और उसके वार्षिक अधिवेशनों की भाषा हिंदी ही रही। 1938 में कांग्रेस का अध्यक्ष चुने जाने के बाद हिंदी के इस प्रभाव को सुभाष चंद्र बोस ने भी समझा और बाकायदा हिंदी सीखी। कांग्रेस अध्यक्ष के नाते पार्टी के वार्षिक अधिवेशन को उन्होंने हिंदी में ही संबोधित किया था, जिसकी रिकॉर्डिंग आकाशवाणी के आर्काइब में आज भी सुरक्षित है। उनकी मीठी हिंदी एक तरह से मोहती है। उसे सुन लगता है कि स्वाधीनता संग्राम में हिंदी किस तरह सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही थी।

जिस हिंदी का ऐसा इतिहास रहा हो, जिसे विनोबा जैसे संघर्षशील और त्यागी-तपस्वी व्यक्ति ने अपनी भाषायी तप:साधना का माध्यम बनाया हो, उसे स्वाधीनता के बाद तेजी से विस्तारित होना चाहिए था। वह विस्तारित तो हुई, लेकिन उस रूप में स्थापित नहीं हुई, जिस रूप में स्वाधीनता सेनानियों ने सोचा था। राजभाषा की उसे पदवी तो मिली, लेकिन वह रस्मी ही साबित हुई। राजभाषा की भूमिका सरकारी दफ्तरों में सिर्फ हिंदी पखवाड़े या महीने में कार्यालयों में रस्मी निबंध, कहानी और कविता प्रतियोगिता आयोजित करने और किसी हिंदी विद्वान को बुलाकर उंघते और उबते कर्मचारियों के बीच भाषण कराने तक सीमित रह गई। हिंदी दिवस पाखंड बन कर रह गया। अच्छी बात यह कह सकते हैं कि इस बहाने सरकारी कार्यालयों के कुछ कर्मचारियों को कुछ नगद रकम बतौर पारितोषिक मिल जाती है, और बाकी कर्मचारियों को मिठाई और नाश्ता आदि और फिर हिंदी की पूरे वर्षभर के लिए राजभाषा के रूप में इतिश्री हो जाती है।

राजभाषा के नाम पर इस रस्म को आयोजित होने की परंपरा को विकसित करने में संविधान सभा के उस विधान की बड़ी भूमिका रही, जिसके तहत हिंदी को संविधान लागू होने से पंद्रह वर्षों तक के लिए टाल दिया गया। कहा गया कि इतने दिनों में हिंदी राजकाज में स्थापित अंग्रेजी का स्थान लेने लायक हो जाएगी। लेकिन इसी बीच अंग्रेजी समर्थकों, हिंदी विरोधी कहना ज्यादा समीचीन होगा, ने हिंदी के खिलाफ षडयंत्र जारी रखा। इसके लिए उन्होंने अंग्रेजी को हिंदी की तुलना में ज्यादा गंभीर और प्रभावी रूप से स्थापित किया। इतना नहीं, इस बीच हिंदीतर दूसरी भारतीय भाषाओं के मन में हिंदी को लेकर लगातार जहर भरा जाता रहा। इसमें अंग्रेजी शिक्षा और उसके जरिए मिलने वाली सुख-सुविधाएं और बेहतर नौकरियों ने बड़ा योगदान दिया। अगर आजादी के तुरंत बाद हिंदी को लागू कर दिया जाता और हिंदी को विकसित करने के तर्क को परे सरका दिया गया होता तो आज हिंदी कुछ उसी तरह स्थापित होती, जैसे इंडोनेशिया और तुर्की में हुआ। इसे संयोग ही कहेंगे कि भारत से ठीक दो वर्ष पहले 17 अगस्त 1945 को इंडोनेशिया डच शासन से मुक्त हुआ था। तब तक इंडोनेशिया के राजकाज की भाषा डच होती थी। लेकिन आजादी मिलते ही इंडोनेशिया के शासक सुकर्णो ने तुरंत अपनी भाषा 'बहासा इंडोनेशिया' को लागू कर दिया। कुछ इसी तरह 23 अक्टूबर 1923 को जब आधुनिक तुर्की गणराज्य की स्थापना हुई, तब वहां के स्वाधीनता सेनानी और शासक कमाल अतातुर्क ने तत्काल तुर्की भाषा को राजकाज की भाषा के रूप में लागू कर दिया। अगर भारत में भी कुछ हिंदी के साथ ऐसा ही हुआ होता तो निश्चित तौर पर इतिहास और परिदृश्य दोनों अलग होते।

स्वाधीन भारत से एक और गलती हुई है। वैसे इसे गलती मानें या जानबूझकर रचा गया हिंदीविरोधी षड्यंत्र कहें। स्वाधीन भारत की नौकरशाही की भाषा अंग्रेजी ही रही। या यूं कहें कि हिंदी या भारतीय भाषाओं की बजाय अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए ऐसी राह तैयार की गई कि वे ही नौकरशाही में आ सकें। भारतीय भाषाओं को संघ लोकसेवा आयोग की परीक्षाओं का माध्यम बनाने के लिए आंदोलन चला तो उसके दबाव में भारतीय भाषाएं आयोग की परीक्षाओं का माध्यम बनीं तो लेकिन परीक्षाओं और चयन प्रक्रिया का ढांचा ऐसा बना रहा कि अंग्रेजी माध्यम के छात्र ही ज्यादा चुने जाते रहे। हिंदी या भारतीय भाषाओं के माध्यम से शिक्षित इक्का-दुक्का विद्यार्थी अगर नौकरशाही में प्रवेश पाने में सफल रहे भी तो उनकी स्थिति 'नक्कारखाने में तूती की आवाज' जैसी रही। नरेंद्र मोदी के उभार और मोदी-शाह की जोड़ी के हिंदी प्रेम के चलते नौकरशाही में हिंदी के प्रति रूझान दिखा। नौकरशाही की भाषायी सोच में परिवर्तन आता दिखा भी। लेकिन अब पीछे मुड़कर देखते हैं तो लगता है कि वह नौकरशाही की रणनीतिक चाल रही। नौकरशाही ने शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व को प्रभावित करने के लिए भारतीय भाषाओं के प्रति प्रेम का संकेतभर दिया। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही रही। हिंदी और भारतीय भाषाएं राजकाज में एक बार फिर पीछे हो गई हैं। अंग्रेजी अब भी नौकरशाही और राजकाज में वर्चस्व बनाए हुए है। उसके मनोभाव उसके इरादे को एक बार फिर जाहिर करने लगे हैं। वह एक बार फिर हिंदी पर अंग्रेजी को ही उपर रखने लगी है। राजकाज एक बार फिर पुरानी पटरी पर कम से कम भाषायी लिहाज से लौटने लगा है। हिंदी को लेकर ऐसा रूख नौकरशाही अगर दिखाती है तो इसकी वजह हिंदी और भारतीय भाषाओं के बीच की आपसी खींचतान के साथ ही शासन की रस्मी भाषा नीति भी है।

हिंदी की राह में यूं तो कई बाधाएं हैं, लेकिन सबसे बड़ी बाधा शासन में उसकी उपेक्षा और अंग्रेजीदां नौकरशाही का वर्चस्ववादी रवैया है। इस रवैये का नुकसान ज्यादातर जमीनी नागरिकों को ही उठाना पड़ता है। क्योंकि उनकी समस्याओं को सही मायने में समझने वाली ब्यूरोक्रेसी ही नहीं है। यह मोटा तथ्य है कि किसी व्यक्ति या इलाके की समस्याओं को वही गहराई से समझ सकता है, जो उस व्यक्ति की अपनी भाषा में सोचता हो, उस इलाका विशेष की माटी की संस्कृति से जुड़ा हो। लेकिन इसे उलटबांसी ही कहेंगे कि ज्यादातर नौकरशाही ऐसी सोच से कोसों से दूर है। इसीलिए हिंदी समेत भारतीय भाषाएं राजकाज के स्तर पर अंग्रेजी से कोसों पीछे हैं। उच्च स्तर पर प्रभाव के लिहाज से भी हिंदी का स्थान कुछ खास नहीं है। हिंदी दिवस पर क्या हम इस नजरिये से हिंदी की स्थिति को देखेंगे? वक्त आ गया है कि इस सवाल से गंभीरता से जूझा जाए।

(ये लेखक के विचार हैं)

भारत पिछड़ा मौका हाथ से गया

चीन ने जो जगह खाली की, उसे बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देश भरने में कैसे कामयाब हुए और क्यों भारत पिछड़ गया? चुनौती यह सोचने की भी है कि चूंकि वो मौका हाथ से चला गया है, तो अब आगे क्या विकल्प है?

श्रम केंद्रित मैनुफैक्चरिंग सेक्टर्स से चीन के हटने से भारत के सामने बड़ा निर्यातक देश बनने का जो अवसर आया था, वह हाथ से निकल गया है। यह बात विश्व बैंक ने कही है। बैंक ने अपने इंडिया डेवलपमेंट अपडेट में जिक्र किया है कि भारत में अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित प्रत्यक्ष या परोक्ष रोजगार पिछले एक दशक के दौरान घटा है। बताया गया है कि वस्त्र, चमड़ा, कपड़ा, रत्न एवं जेवरात आदि जैसे श्रम केंद्रित सेक्टर्स में विश्व व्यापार में भारत का हिस्सा गिरता चला गया है। जबकि बांग्लादेश, वियतनाम और पोलैंड जैसे देशों ने अपना हिस्सा बढ़ा लिया है। इसके पहले मीडिया रिपोर्टों में बताया गया था कि 2017-18 के बाद से उपरोक्त वस्तुओं के भारतीय निर्यात में 12 फीसदी की गिरावट आई है। नतीजतन, इन क्षेत्रों से जुड़े कारखाने या तो बंद हुए हैं या उन्होंने अपना उत्पादन घटाया है। स्वाभाविक है कि इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या नौकरियां गई हैं।

विश्व बैंक ने इस अंतर्विरोध का उल्लेख किया है कि एक तरफ भारत आज दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है, वहीं देश में शहरी युवा बेरोजगारी की दर 17 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर है। बैंक की राय है कि जब तक भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित क्षेत्रों के वैल्यू चेन (मूल्य शृंखला) में आगे नहीं बढ़ता है, उसके लिए बेरोजगारी की समस्या का हल ढूंढना मुश्किल बना रहेगा। गौरतलब है कि बैंक ने जिस अवधि का विस्तार से जिक्र किया है, वो मेक इन इंडिया और आत्म-निर्भर भारत जैसे नारों के शोर से भरी रही है। लेकिन अब उन नारों की हकीकत देश के सामने है। विचारणीय है कि चीन ने जो जगह खाली की, उसे बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देश भरने में कैसे कामयाब हुए और क्यों भारत इसमें पिछड़ गया? चुनौती यह सोचने की भी है कि चूंकि वो मौका हाथ से चला गया है, तो अब देश के सामने क्या विकल्प है? वर्तमान केंद्र सरकार ऐसे गंभीर मसलों पर किसी राष्ट्रीय बहस की शुरुआत करेगी, इसकी उम्मीद तो नहीं है; लेकिन विपक्ष के पास भी क्या इसकी इच्छाशक्ति एवं बौद्धिक साहस है?

(ये लेखक के विचार हैं)

भाजपा और आरएसएस के बीच अंदरूनी मनमुटाव

ओमप्रकाश मेहता

भारत के मौजूदा सत्तारूढ़ खेमों में इस बात को लेकर अच्छी खासी चर्चा है कि ऐसी क्या खास वजह पैदा हो गई। जिससे देश पर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी और उसके कथित संरक्षक संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आर.एस.एस.) के बीच अंदरूनी मनमुटाव की स्थिति पैदा हो गई और जिसके कारण भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को संघ की राष्ट्रीय समन्वयक बैठक में यह कहना पड़ कि- भाजपा को संघ की अब कोई जरूरत नहीं है, अब भाजपा हर तरीके से अपने आपमें सक्षम और आत्मनिर्भर है।

'' भाजपाध्यक्ष के इस बयान की देश के राजनीतिक क्षेत्रों में अच्छी खासी चर्चा है और कथन को लेकर मौजूदा और भविष्य के कयासों पर अटकलें तेज है। भाजपाध्यक्ष के इस बयान से संघ स्वयं वाली विस्मित है तथा अब वह अपनी अगली रणनीति को लेकर सजग व सक्रिय हो गया है, संघ प्रमुख केरल के पलक्कड में सम्पन्न इस सम्मेलन के बाद काफी चिंतित और सक्रिय हो गए है, उन्होंने पिछले कुछ दिनों में अपने विश्वस्तों के साथ कई बार गंभीर मंत्रणाएं भी की है।

अब भाजपाध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा के इस तल्खी भरे बयन के राजनीतिक क्षेत्रों में कई अर्थ निकाले जा रहे है, संघ इस बात को लेकर चिंतित है कि प्रधानमंत्री की मौन स्वीकृति के बिना नड्डा जी ऐसा बयान दे नही सकते और मोदी जी की संघ के प्रति यह मुद्रा क्यों है? यह किसी के भी समझ में नही आ रहा है। भाजपाध्यक्ष ने यह बयान संघ के करीब दस दिन पहले केरल के पलक्कड़ शहर में हुए सम्मेलन में दिया था, बयान तिथि से अब तक के दस दिन के समय में भाजपाध्यक्ष के इस बयान की काफी राजनीतिक सर्जरी हो चुकी है और वह अभी भी जारी है, इस कारण भाजपा और संघ दोनों में ही खलबली मची हुई है।

अब ऐसे मौके पर राजनीतिक प्रेक्षकों को मोदी का राजनीतिक इतिहास याद आ रहा है, जब मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए दंगों के बाद अटल जी का सार्वजनिक रूप से मोदी से की गई तल्खी भरी बातचीत और मोदी की दो टूक सफाई इसके साथ ही मुख्यमंत्री के रूप में मोदी के इस समय हुए दिल्ली दौरों और अटल-अड़वानी की तत्कालीन राजनीतिक भूमिका व मोदी के प्रति बर्ताव भी इन दिनों राजनीतिक क्षेत्रों में समीक्षा का विषय बना हुआ है और आज प्रधानमंत्री की संघ के प्रति तल्खी को उसी संदर्भ में जांचा परखा जो निकलेगें वे सार्वजनिक हो पाएगें या नही? यह तो फिलहाल कहना मुश्किल है, किंतु यह सही है कि इन परिणामों की प्रतीक्षा सभी को है, संघ को भी और मोदी खेमें को भी।

हाँ, तो चर्चा का मुख्य विषय संघ की मौजूदा स्थिति, उसका भाजपा पर असर और दोनों की भावी रणनीति है, अब यहां मौजूदा स्थिति को देखकर यह कहना भी गलत नही होगा कि मोदी और उनकी टोली को संघ की कोई चिंता नही है और यही संघ की चिंता का भी मुख्य कारण है और भाजपाध्यक्ष के स्पष्ट बयान ने तो स्थिति को और भी साफ कर दिया है, अब यदि संघ को अपने आपका अस्तित्व कायम रखना है तो उसे बिना किसी से सहयोग की अपेक्षा रखे खुद को ही इस दिशा में प्रयास करना पड़ेगें और अब यह भी स्पष्ट हो चुका है कि संघ को मोदी से किसी भी प्रकार के सहयोग या आदर भाव की अपेक्षा भी करना बंद कर देना चाहिए, क्योंकि सत्ता के गुरूर में डूबी भाजपा व उसके नेता कई बार संघ को इसी तरह के संकेत दे चुके है, इसलिए अपनी अस्मिता कायम रखने के लिए संघ को ही प्रयास जारी रखना होगें, उसकी मद्द के लिए कोई साथ नही आएगा। अब इस सामयिक चेतावनी को संघ समय रहते समझ ले तो ठीक है, वर्ना मोदी का तो अभी करीब-करीब पूरा ही तीसरा कार्यकाल बाकी है।

(ये लेखक के विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने स्व. श्याम जी पाण्डे को दी श्रद्धांजलि

दुर्ग। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज पूर्व राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पाण्डे के मैत्री नगर रिसाली भिलाई स्थित निवास गृह पहुंचे। उन्होंने यहाँ स्व. श्याम जी पाण्डे के छाया चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने पूर्व सांसद सुश्री पाण्डे और परिजनों से मुलाकात कर शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त किया।

भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला दुर्ग की सदस्यता अभियान

दुर्ग। भारतीय रेडक्रास सोसायटी के द्वारा विभिन्न जनोपयोगी तथा मानव सेवी गतिविधियों का संचालन किया जाता है, जिससे जनता में मानव सेवा की भावना जागृत होती है। साथ ही जरूरतमंदों को भी विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य एवं अन्य सुविधा प्राप्त होती है। रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा दुर्ग के अध्यक्ष कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार जिले में सोसायटी को मजबूती प्रदान करने की पहल की जा रही है। रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा दुर्ग के सचिव मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी से प्राप्त जानकारी अनुसार रेडक्रास के द्वारा ब्लड बैंक, वृद्धाश्रम, पोस्टमार्टम सेंटर मरचुरी एवं शववाहन का संचालन किया जाता है। रेडक्रास की समस्त गतिविधियां दान/सदस्यता शुल्क से प्राप्त राशि से संचालित होती है। रेडक्रास सोसायटी के गतिविधियों को और अधिक विस्तारित करना तथा अधिक से अधिक जन तक पहुँचाने के लिए रेडक्रास सोसायटी सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। जिला रेडक्रास के लिये संरक्षक सदस्य, उप संरक्षक सदस्य, आजीवन सदस्य बनाया जाना है। गणमान्य नागरिकगण एवं समाजसेवकों को इस पुनीत कार्य में जुड़ने की अपील की गयी है। सदस्यता के लिए सहायता राशि निर्धारित है। जिसके अनुसार संरक्षक सदस्य 25,000 रूपए, उप संरक्षक सदस्य 12,000 रूपए, संस्थागत सदस्य वार्षिक 5,000 रूपए और आजीवन सदस्य 1,000 रूपए है। सदस्य बनाते समय सदस्यों का सदस्यता का फार्म भर कर जो व्यक्ति रेडक्रास के सामाजिक गतिविधियों में सम्मिलित होने के इच्छुक हो, उन्हें सदस्य बनाया जाएगा।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु 30 अक्टूबर तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। शिक्षा सत्र 2024–25 हेतु जिले में संचालित मान्यता प्राप्त समस्त शासकीय/अशासकीय विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पॉलीटेक्निक, आई.टी.आई. में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विद्यार्थी जो विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति(कक्षा 12वीं से उच्चतर) की पात्रता रखते हैं, वे पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाईन पंजीयन, प्रस्ताव लॉक, स्वीकृति लॉक करने की कार्यवाही वेबसाइट पर ऑनलाईन किया जा सकता हैं। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार विद्यार्थियों द्वारा 30 अक्टूबर 2024 तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किया गया है। अशासकीय संस्था द्वारा प्रस्ताव लॉक एवं शासकीय संस्था द्वारा स्वीकृति लॉक कर 14 नवम्बर 2024 तक आवश्यक अभिलेख कार्यालय में जमा करना होगा। निर्धारित तिथि के पश्चात पोर्टल बंद कर दिया जाएगा।

दिव्यांगजनों के चिन्हांकन के लिए कार्यशाला संपन्न

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार शिक्षा विभाग द्वारा विगत दिवस खालसा पब्लिक स्कूल के सभागार में दिव्यांगजनों के चिन्हांकन हेतु जिले के निजी अनुदान प्राप्त मदरसा विद्यालयों के प्रधानपाठकों/ प्राचार्यों/ शिक्षकों हेतु एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसके पूर्व विकासखण्डों में भी यह कार्यशाला संपन्न कराई गई। जिसमें अनुपस्थित रहे समस्त विद्यालयों जिसकी संख्या 400 से अधिक थी, उन्हें इस कार्यशाला में आमंत्रित कर भारत सरकार द्वारा घोषित 21 प्रकार की बाधिताओं की पहचान हेतु उन्मुखीकरण किया गया। 20 सितम्बर तक उक्त कार्य संपन्न करने समय–सीमा निर्धारित की गई है।

उद्योगों की स्थापना की प्रक्रिया आसान होने से निवेश में बढ़ेगी रुचि : अजय भसीन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन, स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांत सह समन्वयक संजय चौबे, भिलाई उद्योग चेंबर के अध्यक्ष जेपी गुप्ता, उद्योग चेंबर के उपाध्यक्ष व लघु उद्योग भारती के पूर्व इकाई अध्यक्ष के एस बेदी ने बताया की दुर्ग जिले के जिलाधीश सभागार में उद्योग विभाग के अधिकारियों द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जारी सिंगल विंडो प्रणाली को लेकर प्रजेंटेशन दिया गया।

इस अवसर पर सभी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल रहे। छत्तीसगढ़ में उद्योगों की स्थापना को सरल बनाने के लिए वाणिज्य एवं उद्योग विभाग ने पुराने पोर्टल को अपग्रेड कर सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 तैयार कर आपरेटिव सोसायटी, लैंड रिकॉर्ड, इलेक्ट्रानिक एवं सूचना विभाग, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम, छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग, श्रम विभाग, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूटेशन, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, नियंत्रक विधिक माप विज्ञान, वाणिज्यिक कर, नगर तथा ग्राम निवेश, रजिस्ट्रार फर्म एवं संस्थाएं जैसी सुविधाओं को एक ही प्लेटफार्म में लाया गया है।

अजय भसीन एवम संजय चौबे ने बताया कि सिंगल विंडो सिस्टम संस्करण 2.0 के माध्यम उद्योगों की स्थापना में सहयोग व युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे, एवम युवाओं को उद्योग लगाने में सरलता होगी सही मायने में ये ईजी ऑफ ड्यूंग बिजनेस कहलाएगा। आगे भसीन एवम चौबे ने बताया की पोर्टल के माध्यम से 16 से अधिक विभागों की 100 से अधिक सुविधा मिलेगी। पोर्टल पर एक बार आवेदन से ही सभी विभागों को क्लीयरेंस मिलेगा। ऑफलाईन मोड में किसी भी कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं होगी। उद्योग स्थापना के लिए किन विभागों से क्लीयरेंस लेना होगा यह जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध होगी। ई-चालान के माध्यम से पेमेंट की सुविधा होगी। सिंगल क्लिक पर आवेदन की स्थिति देखी जा सकेगी।

भिलाई चेम्बर का भव्य रोजगार व लोन मेला 17 को

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज भिलाई इकाई निरंतर व्यापारी वर्ग के हित मे आयोजन करती है। इसी कड़ी में 17 सितंबर मंगलवार को 'भव्य रोजगार मेला व लोन मेला' का आयोजन किया जा रहा है। यह रोजगार मेला व लोन मेला 17 सितंबर मंगलवार को सुबह 10.30 बजे से शाम 4 बजे तक अग्रसेन भवन सेक्टर 6 में आयोजित है। भिलाई इकाई द्वारा व्यापारी व उद्योग जगत वर्ग की एक बड़ी समस्या वर्कर्स की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए भव्य रोजगार मेला आयोजित कर रही है। इस मेले में उन सभी व्यापारियों व उद्योग कंपनी के स्टाल लगेंगे जिन्हें अपने अपने प्रतिष्ठान में वर्कर्स की आवश्यकता है। साथ ही आई टी, इंजीनियरिंग, आर्ट ,बैंकिंग व अन्य सेक्टर की जॉब के लिए भी कंपनी के स्टाल ओपन रहेंगे।

भिलाई इस्पात संयंत्र में इन-प्लांट सेफ्टी सर्कल प्रतियोगिता सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित इन–प्लांट सेफ्टी सर्कल प्रतियोगिता का आयोजन 9,10 एवं 11 सितंबर 2024 को मानव संसाधन विकास केंद्र के सभागार में आयोजित किया गया था। 11 सितंबर को एचआरडीसी कॉन्फ्रेंस हॉल में सेफ्टी सर्कल प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता थे। इस अवसर पर संयंत्र के कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक अजय कुमार चक्रबर्ती, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार एवं क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष और एसईडी के पूर्व सीजीएम जी पी सिंह अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित विशेष रूप से उपस्थित थे। समारोह के प्रारम्भ में अतिथियों का सम्मान किया गया तथा महाप्रबंधक प्रभारी (सेफ्टी) एस के अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया। अग्रवाल ने सेफ्टी सर्कल की अब तक की यात्रा के बारे में विस्तार से बताया। इसके पश्चात प्रतियोगिता की विजेता, ब्लास्ट फर्नेस–8 की टीम सुकृति ने सभागार में उपस्थित मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथियों के समक्ष सुरक्षा उपायों पर अपना अनुकरणीय कार्य प्रस्तुत किया। प्रथम उपविजेता वाटर मैनेजमेंट डिपार्टमेंट की टीम सेवियर्स एवं द्वितीय उपविजेता पॉवर एवं ब्लोइंग स्टेशन की टीम सेफ्टेक रही।

इन सभी विजेता टीमों को मुख्य अतिथियों ने पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया एवं उन्हें इस तरह के सराहनीय प्रयासों के लिए प्रोत्साहित किया। बधाई दी और भिलाई इस्पात संयंत्र में सुरक्षा जागरूकता और संस्कृति के निर्माण में ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर दोनों दृष्टिकोणों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने भविष्य के कार्यक्रमों में जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की अधिक भागीदारी तथा संयंत्र में अधिक से अधिक सेफ्टी सर्कल टीम के गठन पर विशेष बल दिया।

भिलाई नगर विस में स्टेनलेस स्टील चेयर हेतु 23 लाख 88 हजार 960 रूपए स्वीकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए भिलाई नगर विधानसभा के 14 कार्यो के लिए कुल 23 लाख 88 हजार 960 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। विधायक देवेन्द्र यादव द्वारा अनुशंसित उक्त कार्य का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी आयुक्त नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा की जाएगी। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जोन 4 अंतर्गत वार्ड–38 सोनिया गांधी नगर खुर्सीपार में सामुदायिक भवन के पास, जोन 4 अंतर्गत वार्ड–39 चंद्रशेखर आजाद नगर खुर्सीपार में काली मंदिर के पास, जोन–4 अंतर्गत वार्ड–40 शहीद चुम्मन यादव नगर छावनी में मंगल बाजार के पास, जोन–4 अंतर्गत वार्ड–41 इंड्रस्टीयल एरिया छावनी स्थित शंकर नगर, जोन–4 अंतर्गत वार्ड–42 गौतम नगर खुर्सीपार में डोम शेड के पास, जोन–4 अंतर्गत वार्ड–43 बापू नगर खुर्सीपार में तीन तालाब के पास, जोन–4 अंतर्गत वार्ड–44 लक्ष्मीनारायण वार्ड में बैडमिंटन कोर्ट के पास, जोन–4 अंतर्गत वार्ड–45 बालाजी नगर खुर्सीपार में सांई मंदिर के पास, जोन–4 अंतर्गत वार्ड–46 दुर्गा मंदिर खुर्सीपार में हनुमान मंदिर के पास, जोन–4 अंतर्गत वार्ड–51 शहीद वीर नारायण सिंह नगर खुर्सीपार में पिंक गार्डन के पास स्टेनलेस स्टील चेयर प्रदाय कार्यो हेतु प्रत्येक के लिए 01 लाख 70 हजार 640 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

भिलाई क्षेत्र के पांचो जोन में पांच जोन आयुक्त अधिकृत हुए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई भिलाई के जोन क्षेत्र में प्रशासनिक बदलाव करते हुए आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने पांच जोन में पांच जोन आयुक्त एवं कार्यपालन अभियता नियुक्त किये।

भिलाई एक बड़ा क्षेत्र है जहां पर 6 लाख से अधिक जनसंख्या निवासरत है। सभी के प्रशासनिक एवं व्यवहारिक आवश्यकताओ को पुरा करने के लिए निगम भिलाई में पांच जोन संचालित हो रहे है। जिसके माध्यम से प्रत्येक जोन में विभागीय स्तर पर एक प्रशासनिक सेटअप कार्यरत है। इसी तारतम्य

में जोन क्रमांक 1 नेहरू नगर में जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत, कार्यपालन अभियंता अखिलेश चंद्राकर, जोन क्रमांक 02 वैशाली नगर में सुश्री येशा लहरे, कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, जोन क्रमांक 03 मदर टेरेसा नगर में कार्यपालन अभियता सह जोन आयुक्त बी.के.वर्मा कार्य संपादित करेंगे। इसी प्रकार जोन क्रमांक 04 शिवाजी नगर खुर्सीपार में जोन आयुक्त सतीश यादव, कार्यपालन अभियंता रवि सिन्हा एवं जोन क्रमांक 05 सेक्टर 06 में कार्यपालन अभियंता सह जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता कार्यो को संपादित करेगें।

इस प्रकार पांचो जोन में पांच जोन आयुक्त शासन द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओ को शासन से प्राप्त दिशा निर्देश अनुसार संपादित करेगे। आने वाले समय में 17 सितम्बर से स्वच्छताा ही सेवा अभियान एवं स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 का सर्वेक्षण अभियान शुरू होने वाला है। सभी कार्यो को सुचारू रूप से संपादित करते हुए आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगे।

अवैध अतिक्रमण पर लगातार कार्यवाही जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राष्ट्रीय राजमार्ग नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के मदर टेरेसा नगर में जोन कार्यालय के समीप स्थित हुंडई शोरूम पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। आबंटित क्षेत्र पर निर्माण कर लेने के अतिरिक्त रोड के जगह पर अतिक्रमण कर गाड़ियो की पार्किंग की जा रही थी।

रोड से शोरूम तक जाने के लिए लम्बा चैंडा पाथवे बना लिया गया था, उसे जोन के राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम ने अपनी तोड़फोड़ दस्ता के साथ मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण को खाली करवाये। संबंधित को चेतावनी दी गई उपरोक्त स्थल पर अन्य कोई अतिरिक्त पाथवे नहीं बनाया जायेगा।

यह शासन की सड़क है, इसे सड़क ही रहने दिया जाये।

इसी तारतम्य मे अरिहंत स्टील के द्वारा 20 फिट से अधिक का विज्ञापन बोर्ड रोड पर लगाया गया था, उसे भी हटाया गया। सनद रहे कि संस्थाओ द्वारा शोरूम या दुकान बनाते समय अपने पुरे आबंटित जमीन पर निर्माण कर लिया जाता है। बाद में चोरी छिपे शासकीय सड़क पर अवैध कब्जा करके पार्किंग स्थल बना दिया जाता है। जिसके कारण आवागमन में बाधा पहुचती है और दुर्घटनाओ की संभावना बनी रहती है। यह सब देखते हुए आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने कार्यवाही करने के निर्देश दिये है। अतिक्रमण हटाने कार्यवाही के ही तारतम्य में बैकुण्ठधाम में भी किये जा रहे अवैध अतिक्रमण को रोका गया।

कार्यवाही के दौरान नगर निगम भिलाई के तोड़फोड़ दस्ता प्रभारी हरिओम गुप्ता, दिनेश बेलचंदन, कन्हैया यादव, मंगल जांगड़े, राजेन सिंह, विष्णु सोनी, गौरकरण कुर्रे, खेमराज आदि उपस्थित रहे।

विशेष शिविर में 91 यूनिट रक्तदान

दुर्ग। जिला चिकित्सालय के ब्लड सेंटर में विगत 11 सितम्बर को विशेष रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जिसमें समर्पित परिश्रमी सामाजिक समिति व ट्विनसिटी मोबाईल क्रेडिट को–ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड सुपेला भिलाई एवं अन्य सहयोगी संस्थाए छ.ग. चेम्बर ऑफ कार्मस, नव दृष्टि फांउडेशन, विचारी कांति अभियान, मोबाईल एसोसिएशन, कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स संस्थाओं के रक्तदाता हर्ष खार्पेडे, अमित बड़जात्या, हरीश गावरी, शंकर साहबानी, कु. प्रज्ञा, अधिकवक्ता विनोद देवागंन एवं अन्य रक्तदाताओं ने 91 यूनिट रक्तदान किया। विगत वर्ष 11 सितम्बर 2021 को 40 यूनिट, 11 सितम्बर 2022 को 60 यूनिट, एवं 11 सितम्बर 2023 को 78 यूनिट रक्तदान किया गया था। रक्तदान शिविर कार्यक्रम में समन्वयक जयंती भाई अड़तिया, तृपेश शर्मा, तरूण अड़तिया एवं मो. मलिक हिरानी प्रमुख रूप से उपस्थित रहें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थय अधिकारी डॉ. मनोज दानी, आर.एम.ओ. डॉ. अखिलेश यादव, प्रभारी अधिकारी ब्लड सेंटर डॉ. प्रवीण अग्रवाल, डॉ. पियुश श्रीवास्तव एवं रेडक्रॉस सोसायटी प्रबंधकारिणी सदस्य दिलीप ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित होकर रक्तदाताओं का सम्मान व उत्साहवर्धन किया।

मर्चेन्ट एवं वायर रॉड मिल विभाग के कर्मचारी शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के मिल जोन–1 के अन्तर्गत मर्चेन्ट एवं वायर रॉड मिल विभाग में दिनांक 11 सितम्बर 2024 को पाली एवं कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्मिकों के बीच स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा के साथ–साथ कार्यक्षेत्र में नवीनता, संसाधनों का बेहतर उपयोग एवं उच्चतम स्तर के सुरक्षा मानकों को बनाये रखते हुए कर्मचारियों को प्रेरित करने तथा उन्हें पहचान देने के लिए कर्मठ कर्मचारियों को सम्मानित करना है। कार्यक्रम में सहायक महाप्रबंधक इन्द्रनाथ चटर्जी एवं उप प्रबंधक (प्रचालन, वायर रॉड मिल) श्री अरूण कुमार, जूनियर इंजीनियर (विद्युत, मर्चेंट मिल) श्री प्रमोद कुमार पाटिल तथा जूनियर इंजीनियर (यांत्रिकी, मर्चेंट मिल) श्री दीपक कुमार शर्मा को पाली शिरोमणि पुरस्कार से नवाजा गया। मर्चेंट मिल विभाग के सुनील कुमार बंछोर, श्री प्रषांत दीवान, वी सुरेष राव, वायर रॉड मिल विभाग के हेमनाथ रामटेके, श्री विकास मंडल, अनवर अली को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक मुनीश कुमार गोयल ने अपने उद्बोधन में कार्य के दौरान सभी सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करने व संसाधनों का उच्चतम उपयोग करते हुए बेहतर प्रतिफल प्राप्त करने पर जोर दिया। पुरस्कार समारोह में सभी अनुभाग प्रमुख, महाप्रबंधक एस के हरिरमानी, महाप्रबंधक पी एस कोरेटी, महाप्रबंधक एस के नायक, महाप्रबंधक एन के खरे, महाप्रबंधक अनुपमा कुमारी तथा महाप्रबंधक मोहिब्बुल हुसैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन कनिष्ठ प्रबंधक राजेष कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। विदित हो कि इस योजना के तहत कर्म शिरोमणि पुरस्कार से उन कार्मिकों को सम्मानित किया जाता है जिन्होंने विगत माह में उत्कृष्ट कार्य किया हो तथा पाली शिरोमणि पुरस्कार से उन कार्मिकों को सम्मानित किया जाता है जिन्होंने विगत तिमाही में बेहतरीन कार्य कर अपनी क्षमता का प्रदर्षन किया हो।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866

Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361

Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

तेज आवाज व फर्राटे भरने वाले बुलेट चालकों पर पुलिस की कार्रवाई, 80 वाहन चालकों पर लगा जुर्माना

रायपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर, डॉ. संतोष सिंह के निर्देशन में और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात ओमप्रकाश शर्मा के मार्गदर्शन पर शहर में तेज ध्वनि और फर्राटे के साथ वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। 11 सितंबर की रात को यातायात थाना प्रभारियों की बैठक के बाद शहर के प्रमुख चौराहों और क्षेत्रों में चेकिंग अभियान चलाया गया।

चेकिंग अभियान के तहत राम मंदिर टर्निंग, तेलीबांधा थाना तिराहा, अवंती विहार अंडर ब्रिज, तेलीबांधा चौक, आनंद नगर चौक, भगत सिंह चौक, अंबेडकर चौक, शास्त्री चौक, और जय स्तंभ चौक में विशेष निगरानी की गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य उन बुलेट वाहन चालकों पर कार्रवाई करना था, जिन्होंने अपने वाहन के साइलेंसर को बदलकर तेज आवाज और फर्राटे के साथ बाइक चलाने की प्रवृत्ति अपनाई हुई थी।

इस अभियान में कुल 80 बुलेट वाहन चालकों को पकड़ा गया और उनके खिलाफ मोटर यान अधिनियम की धारा 182(ए) 4 के तहत कार्रवाई करते हुए प्रत्येक पर 5000 रुपये का चालान लगाया गया। यातायात पुलिस ने चेतावनी दी है कि स्पीड बाइकर्स, स्टंट करने वाले और साइलेंसर में बदलाव करके तेज आवाज पैदा करने वाले चालकों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। यातायात पुलिस रायपुर ने शहरवासियों से अपील की है कि वे सड़क पर स्टंट न करें, साइलेंसर में बदलाव न करें और यातायात नियमों का सख्ती से पालन करते हुए सुरक्षित वाहन चलाएं।

संभाग आयुक्त कांवरे ने नशे के कारोबार में लिप्त दो आरोपियों को सुनाई 3 माह की सजा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पहली बार नशे के कारोबार से जुड़े मामलों में संभाग आयुक्त

महादेव कांवरे ने कड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को तीन-तीन महीने की कारावास की सजा सुनाई है। यह कार्रवाई बलौदाबाजार-भाठापारा जिले से संबंधित दो प्रकरणों में की गई, जिसमें पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ इस्तगासा पेश किया गया था। सजा पाने वाले आरोपी सिमगा के भवानी नगर निवासी एजाज खान और भैंसापसरा के ज्वाला चतुर्वेदी हैं, जिनके खिलाफ बलौदाबाजार-भाठापारा पुलिस अधीक्षक ने अवैध स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थों के व्यापार का मामला दर्ज किया था। जांच में इन दोनों आरोपियों के नशे के कारोबार में शामिल होने की पुष्टि होने के बाद आयुक्त ने यह सजा सुनाई। आयुक्त कांवरे ने अपने आदेश में कहा कि आरोपियों की अवैध गतिविधियों से समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है और ऐसे लोगों का समाज में रहना खतरनाक हो सकता है। यह निर्णय राज्य में नशे के कारोबार पर एक सख्त और प्रभावशाली कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

साझा किया पुराने अनुभव | कलेक्टर ने जवाहर नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों को बताए सफलता के मूलमंत्र

कठिन मेहनत व परिश्रम से सफलता होगी हासिल : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने बुधवार को कलेक्टोरेट स्थित सभागार में कबीरधाम स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए प्रेरक उद्बोधन एवं संवाद किया। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने विद्यार्थियों को सफलता का मूलमंत्र बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ लक्ष्य निर्धारत कर कड़ी मेहनत करनी चाहिए। इसके लिए पदचिन्ह तय करने की जरूरत है। हर विद्यार्थियों को अपने लिए पढ़ाई करनी चाहिए। इससे माता-पिता की पहचान बनने के साथ गांव, परिवार का नाम रोशन होता है।

उन्होंने अपने पुराने अनुभव साझा करते हुए कहा कि असफलता मिलती तो कभी घबराएं नहीं। कलेक्टर ने कहा कि मैंने कभी

कक्षाओं में कभी पहले नंबर पर नहीं किया, बल्कि द्वितीय स्थान पर ही रहा। शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज से अध्ययन किया और बाद में मास्टर आईआईटी से किया, लेकिन लक्ष्य सोचा था उसके लिए मेहनत की और यूपीएससी पास कर आईएएस बना। डॉ. सिंह ने कहा कि कोई भी चीज को पाने के लिए लक्ष्य निर्धारित करने के साथ दृढ़संकल्पित होना जरूरी है। साथ ही जज्बा और कड़ी मेहनत से निश्चित ही सकारात्मक परिणाम आता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में सीखने, समझने की जिज्ञासा होनी चाहिए। पढ़ाई को बोझ समझने से बेहतर हैं कि खेल की तरह मन लगाकर करें। साथ ही उन्होंने कहा कि कक्षा 6 वीं से 12 वीं तक हर बच्चों को कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। क्योंकि इसी दौरान विद्यार्थियों को इतिहास की बेहतर जानकारी मिलती है। यहीं आगे की पढ़ाई में बहुत ही कारगर साबित होती है।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत कर कुछ बड़ा कर गुजरने की चाहत होनी चाहिए। जीवन में कठिनाई के दौर भी आते हैं, लेकिन मेहनत ही सफलता दिलाती है। वहीं समय खुशियों का पल होता है। कलेक्टर डॉ. सिंह ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यूपीएससी में चयनित अभ्यर्थियों को इंटरव्यू में सबसे सरल सवाल पूछे जाते हैं। सर्वप्रथम अभ्यर्थियों से बेसिक जानकारी ली जाती है और अभ्यर्थियों के व्यक्तित्व के बारे में सवाल किए जाते हैं। साथ ही कलेक्टर ने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब भी दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप मौजूद थे।

राजधानी में बन रहा डॉग शेल्टर हाउस

कुत्तों के लिए कैनल, ऑपरेशन थियेटर व शमशान की होगी सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर निगम रायपुर के जोन क्रमांक 8 के तहत सोनडोंगरी क्षेत्र में पंडित जवाहरलाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 में स्थित डॉग शेल्टर हाउस का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। नगर निगम आयुक्त अबिनाष मिश्रा ने इस परियोजना की प्राथमिकता के साथ समय पर पूरा करने के लिए जोन 8 के अधिकारियों को निर्देशित किया है।

इस डॉग शेल्टर हाउस में अस्वस्थ श्वानों के लिए 50 कैनल बनाए जा रहे हैं, जो श्वानों को समुचित उपचार और देखभाल प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त, शेल्टर हाउस में डॉ। के चेम्बर, श्वानों के लिए वेटिंग हाल, ऑपरेशन थियेटर और ऑपरेशन उपकरण रखने के कक्ष का निर्माण किया जा रहा है। मृत श्वानों के संस्कार के लिए क्रीमेटोरियम मशीन लगाने की प्रक्रिया भी चल रही है, ताकि मृतक श्वानों का सम्मानपूर्वक संस्कार किया जा सके।

एक माह में पूरा होगा कार्य

वर्तमान में निर्माण और विकास कार्य लगभग 50 प्रतिशत पूरा हो चुका है। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अगले एक महीने के भीतर इस परियोजना को पूरी तरह से समाप्त किया जाए। नगर निगम की इस पहल से सोनडोंगरी क्षेत्र में श्वानों की देखभाल और उनके स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार होगा, साथ ही मृत श्वानों के संस्कार की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

बड़े सिलेंडर से छोटे सिलेंडरों में हो रही थी रिफिलिंग

- खाद्य विभाग ने छापा मारकर 98 सिलेंडरों सहित औजार भी जब्त किए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर घरेलु गैस-सिलेंडरों की कालाबाजारी और उनके दुरूपयोग को रोकने के लिए खाद्य विभाग द्वारा सघन अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार को खाद्य नियंत्रक भूपेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में विभाग की टीम ने अमन नगर मोवा के गोदाम पर छापा मारकर अवैध रूप से बड़े सिलेंडरों से गैस निकालकर छोटे सिलेंडरों में रिफिलिंग पर कार्रवाई की है।

इस कार्रवाई के दौरान अलग-अलग कंपनियों के 98 गैस-सिलेंडर भी जब्त किए गए है। इसके साथ ही बड़े सिलेंडरों से छोटे सिलेंडरों में घरेलु एलपीजी गैस रिफिलिंग के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले औजार जैसे हथौड़ा, पाना-पेंचिस, बीस रेगुलेटर और पीतल की तीन बांसुरी भी जब्त की गई हैं। इसके साथ ही गोदाम संचालक के विरूद्ध द्रविकृत पेट्रोलियम आदेश 2000 के विभिन्न प्रावधानों के तहत कार्रवाई भी की जा रही है।

छापामार कार्रवाई के संबंध में खाद्य नियंत्रक भूपेंद्र मिश्रा ने बताया कि विभाग को आशोका हाईट्स अमन नगर मोवा के पास एक छोटे गोदाम में दो संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा बड़े सिलेंडरों से छोटे सिलेंडरों में घरेलु गैस रिफिलिंग करने की शिकायत मिली थी। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए खाद्य निरीक्षकों के दल के साथ खाद्य नियंत्रक ने छापामार कार्रवाई की। गोदाम में दो व्यक्तियों द्वारा 14 किलोग्राम के घरेलु गैस-सिलेंडरों में से गैस निकालकर पांच किलोग्राम के छोटे सिलेंडरों में अवैध रिफलिंग करते हुए पाया गया।

खाद्य विभाग के दल को मौके पर विभिन्न कंपनियों के 14 किलोग्राम क्षमता के 16 गैस-सिलेंडर और चार व्यावसायिक गैस उपयोग के एक्सपायरी सिलेंडर तथा पांच किलो ग्राम क्षमता के 78 सिलेंडर भी मिले। घरेलु गैस के सिलेंडरों में एचपी कंपनी के 8, इंडियन कंपनी के 4, भारत कंपनी के 4 और पांच किलो क्षमता के 78 गैस सिलेंडर दल द्वारा जब्त किए गए। इस कार्रवाई के दौरान खाद्य विभाग के दल ने रिलाइंस कंपनी के चार एक्सपायरी व्यावसायिक सिलेंडर भी जब्त किए। मौके से एक हथौड़ा, दो पाना-पेंचिस, 20 रेगुलेटर और तीन पीतल की बांसुरियों सहित अन्य औजार भी जब्त किए गए।

दो दिन की राहत के बाद फिर होगी बारिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दो तीन दिनों की भारी बारिश के बाद अब दोबारा से मानसून की गतिविधियां कमजोर पड़ गई हैं। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, 14 सितंबर तक यानी अगले 48 घंटे तक बारिश थमी रहेगी। हालांकि इस अवधि में प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, लेकिन इसके बाद दोबारा मानसून की गतिविधियों में तेजी आने का अनुमान लगाया जा रहा है।

इसकी वजह से उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ में मानसून के सक्रिय रहने के साथ ही अधिकांश क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश, जबकि एक दो स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना जताई जा रही है। इसी बीच गुरुवार को प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बारिश हुई,

लेकिन राजधानी में बादलों की आंख मिचौली से लोगों को उमस का सामना करना पड़ा। वहीं, प्रदेश में सर्वाधिक बारिशपेंड्रा व प्रेमनगर में दो सेमी, जबकि अन्य क्षेत्रों में इससे काफी कम बारिश दर्ज की गई।

एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण-पूर्व बांग्लादेश और उसके आसपास स्थित है और यह 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। इसके प्रभाव से एक निम्न दाब का क्षेत्र अगले 24 घंटे में तटीय बांग्लादेश और उसके आसपास बनने की संभावना है।

इसके बाद पश्चिम उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए और अधिक प्रबल होकर अवदाब के रूप में तटीय पश्चिम बंगाल और उससे लगे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर उसके 48 घंटे में पहुंचने की संभावना है। वहीं, मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर अमृतसर, दिल्ली, दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश के ऊपर स्थित अवदाब के केंद्र, नवागांव, चर्क, डेहरी, पुरुलिया, कनिंग और उसके बाद दक्षिण-पूर्व की ओर उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक स्थित है।

देवभोग बना नगर पंचायत, जारी की अधिसूचना

रायपुर। राज्य शासन द्वारा गरियाबंद जिले के देवभोग को नगर पंचायत गठित करने के संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ राजपत्र में इस संबंध में अधिसूचना का प्रकाशन कर दिया गया है। राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार देवभोग नगर पंचायत में ग्राम पंचायत देवभोग, ग्राम झाराबहाल और ग्राम सोनामुंदी को शामिल किया गया है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार इन तीनों गांवों की समन्वित जनसंख्या 5287 है।

कलेक्टर व संचालक ने पीएम आवास योजना- ग्रामीण

2.0 के कार्यक्रम की तैयारियां का लिया जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बूढ़ापारा स्थित इंडोर स्टेडियम में प्रस्तावित प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण 2.0 के कार्यक्रम की तैयारियों का कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के संचालक रजत बसंल ने जायजा लिया। कलेक्टर एवं संचालक ने कार्यक्रम स्थल में पहुंचकर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने मंचीय कार्यक्रम, बैठक व्यवस्था और अन्य कार्यक्रम व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाष मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

पर्युषण महापर्व के चौथे दिन पुष्पदंत भगवान का हुआ अभिषेक व शांति धारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के सब से प्राचीन आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर मालवीय रोड में दस लक्षण पर्युषण महापर्व के चौथे दिन उत्तम शौच धर्म की आराधना की गई। जिनालय के पूर्व अध्यक्ष संजय जैन नायक ने उत्तम शौच धर्म के बारे में बताया की स्वच्छता, शुचिता, पवित्रता निर्मलता को ही शौच धर्म कहते हैं। कषाय परिणाम से आत्मा मलिन होती है, आत्मा से अशुद्धि को हटाना, मलिनता दूर करना, यही शुचिता है। पवित्रता तभी आयेगी जब तुम परिग्रह से मुख मोड़ लोगे, कषायों को छोड दोगे। चाह ही चिंता बढ़ाती है, चाह ही कषाय भड़काती है। आकांक्षा ही विशुद्धि घटाती है। कामनायें ही कष्ट देती हैं। कामनायें ही बिनाशकारी हैं। लोभ से, कामना से, कषाय से कोई वस्तु प्राप्त नहीं होती है, जो भी प्राप्त होता है वह पुण्य से

होता है और पुण्य दया, करुणा, गुरु सेवा, प्रभु भक्ति और तप से प्राप्त होता है। लोभ छोड़ो, पुण्य बढ़ाओ। निर्लोभ वृत्ति ही शौच धर्म है। शुचिता ही शौच है।

जिनालय के मूलनायक भगवान आदिनाथ,एवं पार्श्वनाथ भगवान,महावीर भगवान के बेदियो के समक्ष प्रात: सुबह से ही भक्तो की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। जैन धर्म के नवें तीर्थंकर पुष्पदंत भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव भी धूम धाम से भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर जिनालय की सभी बेदी में धर्म प्रेमी बंधुओ ने सुबह 7 बजे से मंगलाअष्टक पढ़ कर जिन प्रतिमाओं को पांडुक्षिला में विराजमान किया। विधि पूर्वक प्रासुक जल को जल शुद्धि मंत्र पढ़ कर शुद्ध किया। अभिषेक पाठ पढ़ कर रजत कलशों से भगवान का अभिषेक किया गया। साथ ही रिद्धि सिद्धि सुख शांति प्रदाता शांति धारा सभी बेदी में कर श्रीजी की समता भाव पूर्वक संगीतमय आरती को गई।

अभिषेक उपरांत प्राप्त शुद्ध गंधोधक को सभी के अपने मस्तक में धारण कर। तत्पश्चात अष्ट द्रव्यों से निर्मित अर्घ्य से भगवान का पूजन,विधान आदि क्रियाएं संपन्न कर अंत में विसर्जन पाठ पढ़ कर पूजन विधान विसर्जन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष संजय नायक, श्रेयश जैन बालू, संजय जैन मोहबा बाजार, नरेंद्र जैन, शैलेंद्र जैन, राजेंद्र उमाठे, योगेश जैन गुरुकृपा, सुनील जैन, रासु जैन, प्रवीण जैन, इंजी.राजीव जैन, श्रद्धेय जैन विक्की, राजा जैन, शुभम जैन, प्रणीत जैन, नीरज जैन, समित जैन के साथ महिलाएं उपस्थित थी।

बाथरूम के फर्श को साफ करने के लिए आजमाएं ये टमाटर का खास नुस्खा

हर कोई घर को खूबसूरत बनाना चाहता है, लेकिन घर को खूबसूरत बनाने के लिए हर छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। क्योंकि कई बार कुछ चीजें घर की सुंदरता को कम कर देती हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने घर को खूबसूरत बनाना चाहते हैं, तो आपको बाथरूम की सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए।

कई बार घर बहुत खूबसूरत होता है, लेकिन घर में बनी बाथरूम की टाइल्स पीली दिखाई देती है, जिससे घर पर आया मेहमान मुंह बनाने लगता है और इससे आपके घर की खूबसूरती खराब होने लगती है। अगर आप भी इन पीली टाइल्स से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो टमाटर का इस्तेमाल कर सकते हैं। टमाटर में मौजूद एसिड हल्के दागों को हटाने में काफी मदद करता है।

बाथरूम की टाइल्स को ऐसे करें साफ

बाथरूम की टाइल्स को साफ करने के लिए आप टमाटर से पेस्ट बना सकते हैं। इसके लिए आपको एक टमाटर को काटकर उसका पेस्ट बनाना होगा। अब आप दाग वाले हिस्से पर पेस्ट लगाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। थोड़ी देर बाद एक नरम ब्रश की मदद से दाग वाले हिस्से को रगड़ें। इसके बाद आप साफ पानी से टाइल्स को अच्छी तरह धो लें। इससे टाइल्स पर लगी पीली परत और गंदगी दूर होगी और टाइल्स चमकदार बनेगी।

टमाटर का इस्तेमाल

टमाटर का इस्तेमाल करते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। टमाटर का रस सभी तरह के फर्श के लिए सुरक्षित नहीं माना गया है। अगर आप मार्बल, ग्रेनाइट और दूसरे पत्थरों पर टमाटर के रस का इस्तेमाल करते हैं, तो इससे टाइल्स का रंग फीका पड़ सकता है। इसके अलावा टमाटर, तेल या ग्रीस के दागों को हटाने के लिए काफी नहीं है। इसके लिए आप दूसरे नुस्खे आजमा सकते हैं।

टमाटर के रस को लगाने के बाद फर्श को अच्छी तरीके से धो लें, नहीं तो दाग दिखाई देंगे। अगर आपके घर पर लकड़ी का फर्श लगा हुआ है, तो टमाटर के रस का इस्तेमाल न करें। नहीं तो फर्श का रंग बदल सकता है। पेंटेड फर्श पर भी टमाटर के रस का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए, नहीं तो फर्श को नुकसान हो सकता है।

क्लीनर का करें इस्तेमाल

आप टमाटर के रस के अलावा बाजार से अच्छी क्वालिटी की क्लीनर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा आप बाथरूम की टाइल्स को साफ करने के लिए सिरका, बेकिंग सोडा और खट्टे फलों का रस जैसे नींबू, संतरा आदि चीजों का इस्तेमाल कर बाथरूम की टाइल्स को साफ कर सकते हैं। किसी भी क्लीनरका इस्तेमाल करने से पहले टेस्ट जरूर करें।

हिंदी फिल्मों में फिर से अभिनय करना चाहती है कृति शेट्टी

ऋतिक रोशन स्टारर फिल्म सुपर 30 की हीरोइन कृति शेट्टी ने बॉलीवुड फिल्मों को लेकर अपना ओपिनियन साझा किया है। एक्ट्रेस का कहना है कि वह और अधिक हिंदी फिल्मों में अभिनय करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वह इस भाषा से सहज हैं। मुंबई में जन्मी और पली-बढ़ी एक्ट्रेस ने 2019 की हिंदी फिल्म में एक अनाम किरदार निभाया था। दो साल बाद, उन्होंने तेलुगू फिल्म उप्पेना के साथ साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। उसके बाद से उन्होंने तमिल फिल्मों द वॉरियर और कस्टडी में अभिनय किया है। वह फिलहाल अपनी डेब्यू मलयालम फिल्म एआरएम की रिलीज का इंतजार कर रही हैं, जिसमें टोविनो थॉमस मुख्य भूमिका में हैं।

कृति शेट्टी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह (सुपर 30) कोई भूमिका थी, मैं बस वहां भीड़ में था। मेरा जन्म और पालन-पोषण मुंबई में हुआ, इसलिए हिंदी मेरे लिए सबसे सहज भाषा है। तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषाएं कुछ ऐसी हैं जो मुझे उन फिल्मों में काम करने के दौरान नहीं आती थीं। इसलिए, हिंदी ऑर्गेनिक होगी। परफॉर्मेंस के लिहाज से यह एक मजेदार अनुभव होगा। इसलिए, मैं एक्साइटेड हूं और इसके (हिंदी फिल्मों के) लिए तैयार हूं। एआरएम एक पेन इंडिया फैंटसी ड्रामा है, जो 12 सितंबर को मलयालम, हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ में बड़े पर्दे पर आएगी। मलयालम भाषा की फिल्म में काम करना शेट्टी के लिए एक गर्मजोशी भरा और प्रेरणादायक अनुभव था।

कृति ने कहा, मलयालम सिनेमा में, परफॉर्मेंस के मामले में सब कुछ रॉ, ऑथेंटिक और ऑर्गेनिक होना है। मैं थोड़ा नर्वस थी क्योंकि मैं यह पहली बार कर रही थी। मुझे अच्छा मार्गदर्शन मिला। एक चीज जो मैं हमेशा एक एक्टर के रूप में बनना चाहती थी- मैं रॉ, ऑथेंटिक और छोटा होना चाहती थी, लेकिन हर जगह आपको ऐसा करने के लिए जगह मिलती है। इसलिए, यहां (एआरएम) मेरे पास सही जगह थी। एआरएम का निर्देशन पहली बार फिल्म निर्माता जितिन लाल ने किया है और सुजीत नांबियार ने लिखा है। उत्तरी केरल में 1900, 1950 और 1990 की तीन टाइमलाइन में सेट की गई इस फिल्म में थॉमस मणियन, कुंजिकेलु और अजयन के किरदार निभाते हुए दिखाई देंगे, जिनमें से प्रत्येक अलग-अलग पीढ़ियों के माध्यम से भूमि के खजाने की रक्षा करने की कोशिश करता है। यह थॉमस की 50वीं फिल्म है। निर्देशक ने कहा कि इसकी पहले से कोई भी योजना नहीं थी। लाल ने कहा, हमने इस (फिल्म) पर आठ साल पहले काम करना शुरू किया था। यह आठ साल का सफर रहा है। हमने इसे 50वीं फिल्म की तरह प्लान नहीं किया था, लेकिन यह धीरे-धीरे हुआ। मैं चाहता था कि वह (थॉमस) कुछ अलग करें, इसलिए वह इस फिल्म में ट्रिपल रोल कर रहे हैं।

आशिम ने तोड़ी शादी तो भगोड़ी दुल्हन बनीं ध्वनि भानुशाली

गायिका ध्वनि भानुशाली गायकी में अपना हुनर पहले ही दिखा चुकी हैं। अब वे अपने बॉलीवुड डेब्यू के लिए तैयार हैं। वे कहां शुरू कहां खतम फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू करेंगी। आज आखिरकार फिल्म का ट्रेलर जारी हो गया है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ट्रेलर कॉमेडी ड्रामा का भरपूर डोज दे रहा है। फिल्म की कहानी शादी के इर्द-गिर्द घूमती है।

फिल्म में भानुशाली के साथ आशिम गुलाटी हैं और इसका निर्देशन सौरभ दासगुप्ता ने किया है। शादी की कहानी पर आधारित ट्रेलर में ध्वनि को मंडप से भागी हुई दुल्हन और आशिम गुलाटी को शादी तोड़ने वाले के रूप में दिखाया गया है। कहानी एक दिलचस्प मोड़ लेती है, जब आशिम के घर वाले ध्वनि को बहू मान लेते हैं और उन्हें अरेंज मैरिज के बंधन में बंधकर रहना पड़ता है। इसके बाद उनकी अरेंज्ड एक्सीडेंटल लव स्टोरी शुरू होती है।

ट्रेलर वीडियो साझा करते हुए ध्वनि भानुशाली ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट के कैप्शन में लिखा, शादी से बचना आसान है, लेकिन प्यार से बचना? असंभव। कहां शुरू कहां खतम का ट्रेलर अभी रिलीज हो गया। 20 सितंबर को सिनेमाघरों में फिल्म देखें। ध्वनि अपनी डेब्यू फिल्म के लिए काफी उत्साहित हैं।

वहीं फिल्म के कलाकारों की बात करें तो कहां शुरू कहां खतम में ध्वनि और आशिम के साथ सुप्रिया पिलगांवकर, राकेश बेदी, सोनाली सचदेव, राजेश शर्मा, अखिलेंद्र मिश्रा, चितरंजन त्रिपाठी, विक्रम कोचर, हिमांशु कोहली और विकास वर्मा सहित कई कलाकार हैं। सौरभ दासगुप्ता द्वारा निर्देशित और लुका छुपी और मिमी फेम लक्ष्मण उटेकर और ऋषि विरमानी द्वारा लिखित यह फिल्म कॉमेडी-ड्रामा और रोमांच का भरपूर डोज देगी।

लक्ष्मण उटेकर की फिल्म कहां शुरू कहां खतम 20 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और कठपुतली क्रिएशन्स प्रोडक्शन की इस युवा संगीतमय पारिवारिक मनोरंजक फिल्म का निर्माण विनोद भानुशाली, लक्ष्मण उतेकर, करिश्मा शर्मा और कमलेश भानुशाली द्वारा किया गया है।

पिंक साड़ी में गजब का कहर ढा रहीं एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर आए दिन अपनी बोल्ड और ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर साझा करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अदाओं में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज सोशल मीडिया पर आते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने अपनी कुछ बेहद ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉट अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से उनकी तारीफ करते नजर आ रहे हैं।

जाह्नवी कपूर जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है- टू मच प्रीटी।

बता दें कि जाह्नवी कपूर जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनका हर एक स्टाइल फैंस के बीच ट्रेंड करता है। ये ही नहीं उनका हर एक अंदाज देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। जाह्नवी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

'सिकंदर' में सलमान-रश्मिका के बाद जुड़ा इस अभिनेत्री का नाम? 'सिंघम' में अजय के साथ कर चुकीं रोमांस

इन दिनों सलमान खान अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सिकंदर' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म की घोषणा सलमान ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए की थी। 'सिकंदर' अब इस साल की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक बन गई है। प्रशंसक शूटिंग और नए कलाकारों के जुड़ने से जुड़े अपडेट का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साजिद नाडियाडवाला प्रोडक्शन की इस फिल्म में सलमान और रश्मिका मंदाना के साथ अब एक और अभिनेत्री शामिल हो गई हैं।

सलमान-रश्मिका के साथ नजर आएंगी काजल अग्रवाल

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अभिनेत्री काजल अग्रवाल सिकंदर में शामिल हो गई हैं। वह सलमान खान, रश्मिका मंदाना, सत्यराज और प्रतीक बब्बर जैसे स्टार कलाकारों के साथ एक महत्वपूर्ण भूमिका में शामिल होंगी। उनके किरदार के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

सिंघम का हिस्सा रह चुकी हैं काजल

बता दें, काजल अग्रवाल अधिकतर तेलुगु और तमिल में नजर आती हैं। काजल बॉलीवुड की फिल्म सिंघम में नजर आ चुकी है। इसके अलावा काजल फिल्म स्पेशल 26 जैसी फिल्मों में भी बेहतरीन काम से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। सिंघम में काजल, अजय देवगन के साथ नजर आई थीं, वहीं स्पेशल 26 में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हुई थी।

सिकंदर में सलमान का किरदार

एआर मुरुगदास के निर्देशन में बन कर तैयार होने वाली 'सिकंदर' में सलमान खान एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाएंगे, जो गलत के साथ गलत और सही के साथ सही है।

वह भ्रष्टाचार जैसी चीजों के खिलाफ है और इसमें शामिल लोगों से अच्छी तरह निपटना जानता है। यानी सिकंदर मूवी में एक्शन का भरपूर डोज देखने को मिलेगा।

मुंबई में भी हुई है सिकंदर की शूटिंग

सिकंदर को साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित और एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित किया जा रहा है। सिकंदर 2025 की ईद पर सिनेमाघरों में आएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सलमान खान ने अगस्त में मुंबई में फिल्म के लिए 45 दिनों का शेड्यूल शुरू किया था। मुंबई के एक बड़े स्टूडियो में सिकंदर की शूटिंग की गई है। पूरे सेट को बनाने में 3 महीने से ज्यादा का समय लगा था।

पीरियड्स के दौरान नहीं करना चाहिए इस तरह का वर्कआउट, हो सकती है परेशानी

पीरियड्स के दौरान व्यायाम करने से दर्दनाक ऐंठन से राहत मिल सकती है। लेकिन आपको एक्सरसाइज करने से आपको बहुत थकावट होती है। तो आपको एक्सरसाइज नहीं करना चाहिए। लेकिन डॉक्टर्स की मानें तो अगर आपकी हेल्दी और नॉर्मल पीरियड है तो आप आराम से पीरियड्स के दौरान वर्कआउट कर सकते हैं। कई लोग ऐसे भी है जो पीरियड्स के 5 दिन पूरी तरह से वर्कआउट करना छोड़ देते हैं। लेकिन सवाल यह उठता है कि सिर्फ पीरियड्स है इसलिए एक्सरसाइज नहीं कर रहे हैं तो यह बात सही नहीं है।

वर्कआउट करने के फायदे

पीरियड्स के दौरान वर्कआउट करने से शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के फायदे होते हैं। हर रोज एक्सरसाइज करने के फायदे तो है ही। पीरियड्स के दौरान प्रोजेस्टेरोन और एस्ट्रोजन दोनों अपने निम्नतम स्तर पर होते हैं, जिससे लोग थका हुआ और कम ऊर्जावान महसूस कर सकते हैं।

ऐसा नहीं है कि अगर आपको एनर्जी नहीं मिल रही है और ऐसी स्थिति में आप एक्सरसाइज नहीं करेंगे तो आपको फायदा मिलेगा। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि एक्सरसाइज करने से ही आपको फायदा मिलने वाला है।

एक्सरसाइज करने के फायदे

पीरियड्स से पहले के दिनों में और अपने चक्र के दौरान थकान और मूड स्विंग का अनुभव करते हैं, तो रोजाना एरोबिक एक्सरसाइज करें इन लक्षणों को कम कर सकता है।

एंडोर्फिन का इस्तेमाल करें

क्योंकि व्यायाम आपको प्राकृतिक एंडोर्फिन हाई देता है, यह आपके मूड को बेहतर बना सकता है और वास्तव में आपको बेहतर महसूस करा सकता है। ब्रैंडन मार्सेलो, पीएचडी, का मानना है कि मासिक धर्म के दौरान व्यायाम करने का एक मुख्य लाभ एंडोर्फिन का स्राव और कसरत का उच्च स्तर है। उन्होंने यह भी कहा कि चूंकि एंडोर्फिन एक प्राकृतिक दर्द निवारक है, इसलिए जब वे व्यायाम के दौरान निकलते हैं, तो आप असहज मासिक धर्म से राहत महसूस कर सकते हैं।

पीरियड्स के दौरान कौन सी एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए

- तीव्र कार्डियो: मासिक धर्म के दौरान भारी प्रवाह और तनाव का कारण बन सकता है।
- भारी वजन प्रशिक्षण: खासकर यदि आप मासिक धर्म में ऐंठन का अनुभव कर रहे हैं।
- उल्टे योग आसन: जैसे कि कंधे पर खड़े होना, सिर पर खड़े होना और हल के आसन।
- स्क्वाट्स: पैल्विक दर्द, पेट के निचले हिस्से में दर्द और पीठ दर्द को बदतर बना सकते हैं।
- टमी क्रंच: पैल्विक दर्द, पेट के निचले हिस्से में दर्द और पीठ दर्द को बदतर बना सकते हैं।

अपने मूड को बेहतर बनाएं

सूत्रों ने कहा कि इस समय व्यायाम करने से आपका मूड बेहतर होगा और रक्त संचार बढ़ेगा। व्यायाम आपके मासिक धर्म से जुड़ी ऐंठन, सिरदर्द या पीठ दर्द को भी कम करता है।

स्वाईन फ्लू से रोकथाम के उपाय

संक्रमण से बचने के लिए अपनाएं सरल सार्वजनिक स्वास्थ्य सावधानियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में स्वाईन फ्लू के संबंध में कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज दानी, जिला सर्वेलेंस अधिकारी आईडीएसपी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे के मार्गदर्शन में वर्तमान में दुर्ग जिले में मौसमी बीमारियों जैसे:- उल्टी, दस्त, पीलिया, डेन्गु, मलेरिया, स्वाइन फ्लू आदि के धनात्मक प्रकरणों में वृद्धि देखते हुए समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं को भारत सरकार द्वारा जारी किये गये दिशा-निर्देश का पालन करने हेतु निर्देशित किया गया है। दुर्ग जिले में भी मौसमी बिमारियों की बचाव, उपचार व रोकथाम हेतु समुदाय में लोगों द्वारा स्वाईन फ्लू संक्रमण से ऐहतियात बरतने जिले के समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं को दिशा-निर्देश जारी किया जा चुका है जिससे संक्रमण का फैलाव कम किया जा सके।

स्वाईन फ्लू -

स्वाईन फ्लू श्वसन-तंत्र संक्रमण है जो मनुष्यों में इनफ्लुएंजा-ए वायरस के कारण होता है। सामान्यतः इसकी अवधि 1 से 2 दिन की होती है।

संक्रमण का प्रसार संक्रमित व्यक्ति के लक्षण प्रारंभ होने के 3 से 5 दिवस तक अन्य व्यक्ति को हो सकता है एवं इसका प्रसार सामान्यतः संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आने से फैलता है। इसमें सामान्य लक्षण सर्दी, खांसी, गले में खराश, बुखार, सिरदर्द, थकावट और कभी दस्त एवं उल्टी भी होते है। उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों जैसे गर्भवती महिला, 05 वर्ष से कम उम्र के बच्चे, 65 वर्ष से अधिक उम्र के वृद्ध एवं किसी अन्य रोगों से ग्रसित व्यक्तियों में इस संक्रमण की जटिताऐं होने की सम्भावना होती है।

संक्रमण का प्रसार -

संक्रमण का प्रसार संक्रमित व्यक्ति में लक्षण प्रारंभ होने के 3-5 दिवस तक अन्य व्यक्तियों में हो सकता है। संक्रमण का प्रसार सामान्यतः संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से छोटी बूंद का संक्रमण के माध्यम से होता है।

क्या करें -

खॉंसते या छींकते समय अपने मुह और नाक को रूमाल या टीसु से ढक लें। रूमाल को कीटाणुरहित करे और उपयोग किये गये टीसु को सही तरीके से नष्ट करें। अपने हाथों को बार-बार साबुन या पानी से धोएं या एल्कोहल आधारित सैनिटाइजर का उपयोग करें। अपनी आंखों नाक या मुंह को छुने से बचें। एच1एन1 से पीड़ित व्यक्तियों से एक हाथ की दूरी बनाये रखें। पर्याप्त आराम करें, भरपुर नींद लें पानी पिये और पौष्टिक भोजन करे। लक्षणयुक्त होने पर नजदीकी स्वास्थ्य संस्थाओं से सम्पर्क करें। होम आईसोलेशन के दौरान मरीज को अपने स्वास्थ्य की सतत् निगरानी करते रहना चाहिए अस्पताल में उपचार लेना चाहिए।

क्या ना करें -

अभिवादन के लिए हाथ ना मिलाएं व ना गले मिले। चिकित्सक के सलाह बिना दवाई न लें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 12 सितंबर 2024 को दुर्ग जिले में स्वाईन फ्लू के 01 नये मरीज छावनी भिलाई से मिले हैं। वर्तमान में 08 स्वाईन फ्लू के मरीज विभिन्न अस्पतालों में भर्ती है। स्वाईन फ्लू के मरीजों हेतु श्री चंदूलाल चन्द्राकर शासकीय मेडिकल कॉलेज, कचान्दुर में 30 बिस्तर एवं जिला चिकित्सालय दुर्ग में 10 बिस्तर आरक्षित किये गये है।

पीएम मोदी ने भारतीय पैरा-एथलीटों से की मुलाकात

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पेरिस पैरालंपिक से लौटे भारतीय दल से अपने आवास पर मुलाकात की। इस बार भारतीय एथलीटों ने टोक्यो के रिकॉर्ड प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक मंच पर अपनी छाप छोड़ी और पैरालंपिक में देश के लिए अब तक के सर्वोच्च पदक जीतकर इतिहास रचा।

भारत ने 7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य पदक के साथ कुल 29 पदकों के साथ पदक तालिका में 18वां स्थान हासिल किया। इस दल ने 2020 टोक्यो पैरालंपिक (कुल मेडल 19) में भारत द्वारा बनाए गए अब तक के सर्वश्रेष्ठ पदकों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। पैरालंपिक खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी अवनि लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 शूटिंग स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ अपना खिताब बरकरार रखते हुए पीएम मोदी को अपनी जर्सी भेंट की। इस पर लिखा था, आपके समर्थन के लिएज् धन्यवाद सर।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने कपिल परमार के कांस्य पदक पर साइन किए, जो उन्होंने पैरा जूडो पुरुषों की 61 किग्रा जे1 श्रेणी में जीता था। फ्रांस की राजधानी में 28 अगस्त से 8 सितंबर तक आयोजित पेरिस 2024 पैरालंपिक में रिकॉर्ड 84 पैरा-एथलीटों ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। भारत ने 12 खेलों में भाग लिया, जो टोक्यो 2020 से तीन ज्यादा है। ये तीन नए खेलों में ङ्क पैरा साइक्लिंग, पैरा रोइंग और ब्लाइंड जूडो शामिल था। भाला फेंक के दिग्गज सुमित अंतिल ने पैरालंपिक में अपना खिताब बचाने वाले पहले भारतीय पुरुष के रूप में इतिहास रच दिया। उन्होंने पुरुषों की भाला फेंक एफ64 में 70.59 मीटर की शानदार थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता, जो एक नया पैरालंपिक रिकॉर्ड है। उन्होंने टोक्यो 2020 पैरालंपिक में बनाए गए अपने पिछले रिकॉर्ड को पेरिस में तीन बार तोड़ा। हरविंदर सिंह भारत के पहले पैरालंपिक तीरंदाजी चैंपियन बने।

जिले में 18 से 24 सितंबर तक होगा प्लेसमेंट कैंप का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। जिले के विभिन्न विकासखण्डों में सेफ इंटेलीजेंट सिक्यूरिटी सर्विसेस भिलाई एवं टेक्नोटास्क बिजनेस साल्यूशन प्रायवेट लिमिटेड टेडेसरा राजनांदगांव के द्वारा विभिन्न पदों के लिए प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जाएगा।

जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि सेफ इंटेलीजेंट सिक्यूरिटी सर्विसेस भिलाई के द्वारा 18 से 24 सितंबर तक सुबह 11 बजे से दोपहर 03 बजे तक प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत 18 सितंबर को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सुरेगांव, जनपद पंचायत डौण्डी में 19 सितंबर, शासकीय महाविद्यालय मंगचुवा (डौण्डीलोहारा) में 20 सितंबर, शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था गुंडरदेही में 23 सितंबर को तथा जिला रोजगार कार्यालय (कलेक्टर परिसर) बालोद में 24 सितंबर को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिसमें सिक्यूरिटी गार्ड (केवल पुरूष) के 200 पदों पर भर्ती की जाएगी। जिसकी शैक्षणिक योग्यता दसवीं, बारहवीं पास, आयु सीमा 20 से 45 वर्ष निर्धारित की गई है। इसी तरह सिक्यूरिटी सुपरवाईजर (केवल पुरूष) के 50 पदों पर भर्ती की जाएगी। जिसकी शैक्षणिक योग्यता बारहवीं या ग्रेजूएट पास, आयु सीमा 25 से 45 वर्ष निर्धारित की गई है। इसी तरह महिला सिक्यूरिटी गार्ड के 20 पदों पर भर्ती की जाएगी। जिसकी शैक्षणिक योग्यता आठवीं से बारहवीं पास, आयु सीमा 18 से 45 वर्ष निर्धारित की गई है। उक्त पदों का कार्यक्षेत्र रायपुर, दुर्ग, भिलाई एवं राजनांदगांव निर्धारित की गई है। इसी तरह टेक्नोटास्क बिजनेस साल्यूशन प्रायवेट लिमिटेड टेडेसरा राजनांदगांव के द्वारा कस्टमर सपोर्ट एसोसिएट के कुल 400 पद हेतु जनपद पंचायत डौण्डी में 19 सितंबर तथा जिला रोजगार कार्यालय (कलेक्टर परिसर) बालोद में 24 सितंबर को सुबह 11 से दोपहर 03 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिसकी शैक्षणिक योग्यता बारहवीं उत्तीर्ण एवं डाटा एंट्री ऑपरेटर प्रोगामिंग में मान्यता प्राप्त संस्था से एक वर्षीय डिप्लोमा तथा आयु 18 से 35 वर्ष निर्धारित की गई है। उक्त पदों का कार्यक्षेत्र ग्राम टेडेसरा जिला राजनांदगांव होगा।

भारतीय सेना की टुकड़ी पांचवें भारत-ओमान संयुक्त सैन्य अभ्यास 'अल नजाह' के लिए रवाना

नई दिल्ली (पीआईबी)। भारत-ओमान संयुक्त सैन्य अभ्यास 'अल नजाह' के पांचवें संस्करण के लिए भारतीय सेना की टुकड़ी आज रवाना हो गई। यह अभ्यास 13 से 26 सितंबर 2024 तक ओमान के सलालाह में रबकूट प्रशिक्षण क्षेत्र में आयोजित होने वाला है। अभ्यास 'अल नजाह' 2015 से भारत और ओमान के बीच बारी-बारी से द्विवार्षिक आधार पर आयोजित किया जाता है। इस अभ्यास का पिछला संस्करण राजस्थान के महाजन में आयोजित किया गया था।

कुल 60 कर्मियों वाली भारतीय सेना की टुकड़ी का प्रतिनिधित्व मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट की एक बटालियन द्वारा अन्य अंगों एवं सेवाओं के कर्मियों के साथ किया जा रहा है।

ओमान की शाही सेना की टुकड़ी में भी 60 कर्मी शामिल हैं, जिसका प्रतिनिधित्व फ्रंटियर फोर्स के सैनिकों द्वारा किया जाएगा। इस संयुक्त अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय ङ्कढ्ढढ्ढ के तहत आतंकवाद विरोधी अभियान चलाने के लिए दोनों पक्षों की संयुक्त सैन्य क्षमता को बढ़ाना है। यह अभ्यास रेगिस्तानी वातावरण में संचालन पर केन्द्रित होगा।

अभ्यास के दौरान किए जाने वाले सामरिक अभ्यासों में संयुक्त योजना, घेरा और खोज अभियान, निर्मित क्षेत्र में लड़ाई, मोबाइल वाहन चेक पोस्ट की स्थापना, काउंटर ड्रोन और रूम इंटरवेंशन शामिल हैं। वास्तविक दुनिया के आतंकवाद विरोधी अभियानों का अनुकरण करने वाले संयुक्त क्षेत्र प्रशिक्षण अभ्यास की भी योजना बनाई गई है।

अभ्यास अल नजाह-ङ्क दोनों पक्षों को संयुक्त अभियानों के लिए रणनीति, तकनीकों और प्रक्रियाओं से संबंधित सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान करने की अनुमति देगा।

यह अभ्यास दोनों सेनाओं के बीच अंतरसंचालनीयता, सद्भावना और सौहार्द को बढ़ावा देगा। इसके अतिरिक्त, यह संयुक्त अभ्यास रक्षा सहयोग को मजबूत करेगा और दोनों मित्र देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और आगे बढ़ाएगा।

महिलाओं के सशक्तिकरण एवं उनके आने वाली पीढ़ी के उज्जवल भविष्य के लिए छत्तीसगढ़ शासन प्रतिबद्ध- ओपी चौधरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी के मुख्य आतिथ्य में नगर निगम ऑडिटोरियम रायगढ़ में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, रायगढ़ एवं नगर पालिक निगम के सौजन्य से महिला सशक्तिकरण अंतर्गत वित्तीय साक्षरता एवं क्रेडिट कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें नाबार्ड एवं बैंक के माध्यम से 500 से अधिक प्रकरण में लगभग 35 करोड़ रूपये ऋण का वितरण दीदी, माता एवं बहनों को उनके नवाबिहान स्व-सहायता समूह के माध्यम से किया जा रहा है। मौके पर वित्त मंत्री चौधरी ने महिलाओं को बीमा दावा राशि का चेक एवं ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर राज्य सभा सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह भी उपस्थित रहे। वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण एवं उनके आने वाली पीढ़ी के उज्जवल भविष्य को लेकर हमारी सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि

राज्य को समृद्ध और सशक्त करना है तो उसके लिए महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना होगा। इसके लिए महिलाओं के जीवन को सुगम बनाना, उन्हें शिक्षित करना और सुरक्षा के साथ ही उनके सम्मान की रक्षा सुनिश्चित करनी होगी। इन चीजों को ध्यान में रखकर ही केन्द्र एवं राज्य सरकार के नेतृत्व में लगातार इस दिशा में कार्य करते हुए विभिन्न योजनाएं और कार्यक्रम चलायी जा रही है, ताकि सभी माता एवं बहनें इसका लाभ उठा सके। स्व-सहायता समूहों की महिलाओं के लिए बैंकों के माध्यम से ऋण स्वीकृत कराए जा रहे है ताकि वह स्वयं का व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर व स्वावलंबी हो सके।

स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार करने तथा आर्थिक स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन आज महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रतिमाह महिलाओं के खाते में एक-एक हजार रुपये उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रदाय कर रही है। रायगढ़ में आने वाले दिनों में दीदी सदन का भी निर्माण होगा। पीएम आवास योजना के तहत 9 लाख से अधिक परिवारों को आवास हेतु राशि भी स्वीकृत हो जायेंगे। पुसौर क्षेत्र में जिन किसानों को केलो डेम का पानी नहीं मिल पा रहा था, उसके लिए कार्ययोजना बनायी गई है और आगामी दिनों वहां किसानों के खेतों तक पानी मिलना शुरू हो जाएगा। विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा मिले और वह आगे बढ़े, इसको लेकर हमारी सरकार लगातार प्रयास कर रही है और शिक्षा के नित नए संस्थान प्रारंभ किए जा रहे है। रायगढ़ में प्रयास आवासीय विद्यालय का शुभारंभ भी हमारे इन्हीं प्रयासों की एक कड़ी है। उच्च स्तरीय गुणवत्ता तथा उत्कृष्टता का प्रतीक माने जाने वाले प्रयास आवासीय विद्यालय की स्थापना शिक्षा सत्र 2024-25 अंतर्गत रायगढ़ जिले में की गई है। आगामी दिनों में से रायगढ़ जिले में नालंदा परिसर का भी निर्माण होगा।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। विधानसभा अध्यक्ष राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम धामनसरा पहुंचकर बाढ़ प्रभावित जनसामान्य से मिले और उनकी समस्याएं सुनी। इसके बाद उन्होंने ग्राम हल्दी और भंवरमरा पहुंचकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया तथा बाढ़ प्रभावितों से मुलाकात की। उन्होंने ग्राम संगदई पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावितों की सहायता के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित जनसामान्य के लिए तत्काल

भोजन, पेयजल सहित अन्य व्यवस्था करने के निर्देश दिए। पानी का बहाव कम हो जाने के बाद राजस्व विभाग के अधिकारी फसल एवं आवास सहित अन्य क्षति का सर्वे करें, ताकि बाढ़ प्रभावितों को राहत मिल सकें।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि बाढ़ आपदा पीड़ाजनक है। जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम एवं अन्य सभी मिलकर तत्परता से इस आपदा से निपटने के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में रणनीति यह होगी कि एनीकट को बेहतर तरीके से रेग्यूलेट किया जाए।

भादो के समय में अत्यधिक वर्षा हुई है। शिवनाथ नदी एवं अन्य नदियों के किनारे बाढ़ आपदा एवं क्षति के रूप में आई है। जिले में धामनसरा, जंगलेशर, मोहड़, हल्दी, सिंगदई, बांकल सहित अन्य ग्रामों में अत्यधिक वर्षा के कारण बाढ़ की स्थिति बनी है।

छात्रावास अधीक्षक भर्ती परीक्षा 15 को, जिला प्रशासन की तैयारी पूर्ण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले में 15 सितंबर 2024 को होने वाली छात्रावास अधीक्षक भर्ती परीक्षा की तैयारियां जिला प्रशासन द्वारा पूर्ण कर ली गई है.छात्रावास अधीक्षक भर्ती परीक्षा के लिए जिले में 54 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें 18152 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। छात्रावास अधीक्षक भर्ती परीक्षा में जिले 1650 वीक्षक बनाए गए हैं। प्रत्येक 12 परीक्षार्थियों के लिए 01 वीक्षक की ड्यूटी लगाई गई है। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश निर्धारित पहचान पत्र की केवल मूल प्रति के आधार पर ही दिया जायेगा. परीक्षा 15 सितंबर 2024 को एक ही पाली में अपरान्ह 12 बजे से 02:15 बजे तक संपन्न होगी।

कलेक्टर अजीत वसंत ने व्यापम के नियमों का कड़ाई से पालन करने के साथ ही जिले में परीक्षा पारदर्शीपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं। छात्रावास अधीक्षक भर्ती परीक्षा के लिए पर्यवेक्षकध्केंद्राध्यक्ष व वीक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संयुक्त कलेक्टर मनोज कुमार बंजारे नोडल अधिकारी एवं मास्टर ट्रेनर के द्वारा विभिन्न विभागों के अधिकारियों व शिक्षकों को दिया गया। प्रशिक्षण में पर्यवेक्षकध्केंद्राध्यक्ष व वीक्षकों के द्वारा परीक्षा में किए जाने वाले महत्वपूर्ण कार्यों की जानकारी दी गई। परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों के लिए मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट आदि प्रतिबंधित किया गया है।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

भाई ने की भाई की गला घोंटकर हत्या, पीएम रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले के छुरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत आए दिन शराब पीकर विवाद करने पर परेशान होकर भाई ने ही अपने भाई की गला दबाकर हत्या कर दी। पूरे मामले को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश दी गई। लेकिन पीएम रिपोर्ट के बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने हत्या के मामले में आरोपी बड़े भाई को गिरफ्तार कर लिया है और जेल में भेज दिया है।

बीते 14 जुलाई को ज्यादा शराब पीने के बाद शरीर में कोई हलचल नहीं होने की सूचना पर छुरिया अस्पताल में एक व्यक्ति को भर्ती कराया गया था। जिसके बाद डॉक्टरों द्वारा मृतक खेमू साहू की मृत्यु गला दबाने से होने और हत्या होने की रिपोर्ट पर छुरिया थाना पुलिस द्वारा पूरे मामले की जांच की जा रही थी। पीएम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस ने आरोपी बड़े भाई महेंद्र साहू से पूरे मामले में पूछताछ की। मृतक द्वारा आए दिन अपने भाई के साथ शराब पीकर घर में वाद विवाद करना और गाली-गलौज देना बताया गया। जिससे तंग आकर 14 जुलाई 2024 को भी आरोपी द्वारा घर में अपने भाई से विवाद हो गया। जिसके बाद आरोपी ने रंजिश रखते हुए अपने ही भाई पर मुक्के से वार और गमछे से गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने पूरे मामले में खुलासा किया है। जहां आरोपी भाई को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पटरी से उतरे मालगाड़ी के चार डिब्बे, बीच जंगल में हुई घटना

रायगढ़। तरलिया से कोयला लेने घरघोड़ा तिलाईपाली जा रही एक मालगाड़ी के चार डिब्बे टारपाली के पास पटरी से उतर गए। इस घटना की जानकारी मिलते ही एनटीपीसी के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा रेलवे के अधिकारियों की टीम भी दलबल के साथ मौके पर पहुंचकर सुधार कार्य में जुटी हुई है। मौके पर मौजूद एक युवक ने बताया कि यह घटना सुबह 8 से 9 बजे के आसपास की है। जिस समय यह घटना हुई उस समय मालगाड़ी खाली थी और इससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। मौके पर मौजूद एनटीपीसी के एक कर्मचारी ने बताया कि इस घटना की जानकारी मिलते ही वे मौके पर पहुंचकर बोगियों को पटरी पर लाने के काम में जुटे हुए हैं। मालगाड़ी के तीन डिब्बों को पटरी पर वापस लाया जा चुका है। एक अन्य डिब्बे को पटरी पर लाने का काम चल रहा है, जो कि एक घंटे तक पूरा कर लिया जाएगा। बताया जा रहा है कि पुसौर ब्लॉक के ग्राम में संचालित एनटीपीसी लारा में कोयला परिवहन के लिये इस रेलवे लाइन का उपयोग किया जाता है।

छापा मारने गई पुलिस से उलझा सटोरी, लगाए गंभीर आरोप

बिलासपुर। तोरवा थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के बुधवार में एक व्यक्ति के द्वारा सट्टा खिलाया जा रहा है। लगातार सट्टा खिलाने से क्षेत्र का माहौल बिगड़ रहा है। पुलिस ने टीम बनाकर वहां अचानक छापामार कारवाई की। संतोष नाम का दिव्यांग व्यक्ती भागने लगा, तो पुलिस ने उसे पकड़ लिया। इसके बाद सट्टेबाज आत्महत्या की धमकी देने लगा और रेलवे ट्रैक की ओर भागने का प्रयास किया।पुलिसकर्मियों ने उसे रोका। इसके बाद सटोरिया बिफर गया और तोरवा पुलिस पर एक के बाद कई गंभीर आरोप लगाते हुए कहा हां मैं सट्टा खिलाता हूं। पुलिस को पैसा देता हूं सिपाही खुद हिस्सा लेने आता है। रेलवे क्षेत्र में अकेला नहीं हूं मुझे पकड़कर क्या कर लोगे। मैं पैर से दिव्यांग हूं, हिम्मत है तो उसे पकड़कर दिखाओ जो बुधवारी का किंग है।

रायगढ़ में स्कूल का बाबू रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ाया, कवर्धा में पंचायत का अकाउंटेंट गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

एंटी करप्शन ब्यूरो का एक्शन, शिकायत पर हुई कार्रवाई

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एसीबी की टीम ने शिक्षा विभाग में पदस्थ एक बाबू को 25 हजार रुपये रिश्वत लेते पकड़ा है। उक्त बाबू के द्वारा एक पीड़ित से उसकी पत्नी के उपचार हेतु मेडिकल बिल पास कराने के नाम पर पैसे की मांग की गई थी। वहीं एक अन्य मामले में कबीरधाम के बोड़ला जनपद पंचायत के अकाउंटेंट को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते एसीबी ने पकड़ा है।

मिली जानकारी के अनुसार, रायगढ़ जिले के खरसिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम खम्हार मिडिल स्कूल में पदस्थ शिक्षक उमेन सिंह चैहान ने 17 अगस्त को एसीबी बिलासपुर आफिस में शिकायत करते हुए बताया था कि उसकी पत्नी के इलाज से संबंधित बिल पास कराने के नाम पर उस स्कूल के बाबू ओमप्रकाश नवरत्न ने उससे 25 हजार रुपये की मांग की है।

रंगे हाथ पकड़ा गया बाबू

एसीबी की टीम ने गुरुवार को योजनाबद्ध तरीके प्रार्थी उमेन सिंह चैहान को 25 हजार रूपये देकर खम्हार स्कूल भेजा गया। जहां उसने जैसे ही स्कूल के बाबू ओमप्रकाश नवरत्न को पैसे दिये वैसे ही एसीबी टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि रिश्वत की मांग करने वाले स्कूल के बाबू ओमप्रकाश नवरत्न को रंगे हाथ पकड़ने के बाद उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 1988 के तहत अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि मेडिकल बिल पास कराने के नाम पर स्कूल के बाबू के द्वारा पैसे की मांग किये जाने के बाद से प्रार्थी उसे रंगे हाथ पकडवाना चाहता है इसलिये उसने एसीबी में मामले की शिकायत की।

रजिस्ट्री के एवज में रिश्वत लेते उप पंजीयक एसीबी के हत्थे चढ़ी

महासमुंद। जिले के सरायपाली रजिस्ट्रार आफिस में एंटी करप्शन ब्यूरो ने छापामार कार्यवाही करते हुवे रजिस्ट्रार आफिस के उप पंजीयक पुष्पलता लिली बेग को 26 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। दरअसल ग्राम बड़े पंथी निवासी टिकाराम पटेल ने ने एंटी करप्शन ब्यूरो में शिकायत की थी कि उसने पांच एकड़ जमीन अपने बेटे भूपेन्द्र पटेल की पत्नी को दान में दिया था। जिसकी रजिस्ट्री कराने रजिस्ट्रार आफिस आया तो दान रजिस्ट्री के लिए 11 हजार रुपऐ का शुल्क लगना था, पर उप पंजीयक पुष्पलता लिली बेग ने रजिस्ट्री शुल्क के अलावा 35 हजार रुपए की मांग की। उसने देने में असमर्थता जाहिर की तो उसके बाद 26 हजार में सौदा हुआ। जिसकी शिकायत टिकाराम पटेल ने एंटी करप्शन ब्यूरो में की थी। गुरुवार को टिकाराम पटेल का पुत्र भूपेन्द्र पटेल 26 हजार रुपये उप पंजीयक पुष्पलता लिली बेग को दे रहा था तभी एंटी करप्शन की टीम ने उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। एंटी करप्शन के ए एस पी सी डी तिर्की ने बताया कि उप पंजीयक पुष्पलता लिली बेग को 26 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है और जांच की जा रही है। जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की गई।

जनपद पंचायत का अकाउंटेंट रिश्वत लेते गिरफ्तार आंगनबाड़ी की राशि जारी करने मांगे एक लाख

कबीरधाम। एंटी करप्शन ब्यूरो(एसीबी) की टीम ने कबीरधाम जिले में दबिश दी है। इस टीम ने बोड़ला जनपद पंचायत के अकाउंटेंट को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा है। मिली जानकारी अनुसार, प्रार्थी मोती बैगा, ग्राम कुकरापानी, तहसील बोड़ला ने एंटी करप्शन ब्यूरो के रायपुर कार्यालय में शिकायत की गई थी कि उसकी पत्नी ग्राम पंचायत कुकरापानी की सरपंच है। शासन द्वारा उनके ग्राम पंचायत को आंगनबाड़ी भवन कार्य के लिए 11.69 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है। धनराशि का आहरण जनपद पंचायत बोड़ला कार्यालय से होना था। लगभग 5.84 लाख रुपए ग्राम पंचायत को जारी भी कर दिए गए थे। लेकिन, जनपद कार्यालय के अकाउंटेंट नरेन्द्र कुमार राउतकर द्वारा अगली किश्त जारी करने के एक लाख रुपये की रिश्वत की मांग की गई थी।

प्रार्थी मोती बैगा रिश्वत नहीं देना चाहता था, बल्कि रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़वाना चाहता था। शिकायत सत्यापन के बाद गुरुवार 12 सितंबर को देर शाम ट्रैप कर आरोपी नरेन्द्र कुमार राउतकर को प्रार्थी से एक लाख रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया। एसीबी की कार्रवाई में गिरफ्तार अकाउंटेंट नरेन्द्र कुमार राउतकर का विवादों से गहरा नाता रहा है। यह बोड़ला में ही

करीब 30 वर्ष से पदस्थ है। वर्ष 2021 में जनपद पंचायत बोड़ला में पदस्थ नरेन्द्र कुमार राउतकर के खिलाफ फर्जीवाड़े का मामला सामने आया था।

इसने फर्जी तरीके ने न सिर्फ अपने भतीजे की सहायक ग्रेड- 3 पद पर नौकरी लगाई, बल्कि बतौर कंप्यूटर ऑपरेटर पहले से काम रहे चार दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों से पांच-पांच लाख यानी कुल 20 लाख रुपए घूस लेकर उन्हें रेगुलर (नियमित) करने का आरोप लगा था। उन्हें एक साल का वेतन सहित एरियर्स का भी भुगतान कर दिया था। हालांकि, उस समय कलेक्टोरेट से जांच बैठाई गई थी। तब सस्पेंड किया गया था।

राजनांदगांव में तीन करोड़ की ठगी: शेयर मार्केट में पैसा डबल करने का दिया झांसा

राजनांदगांव। राजनांदगांव शहर के बसंतपुर थाने अंतर्गत शेयर ट्रेडिंग के नाम पर तीन करोड़ 40 लाख 95000 रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने ठगी के मामले में एक अंतरराष्ट्रीय ठग को केरल से गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। आरोपियों द्वारा 60 लाख रुपये को डेबिट कार्ड की मदद से दुबई में निकाला गया।

आरोपी से एक मोबाइल और दो क्रेडिट कार्ड जब्त किए गए हैं। पुलिस ने प्रेसावर्ता कर मामले का खुलासा किया है। शेयर मार्केट में पैसा डबल करने को लेकर आरोपियों के द्वारा ठगी की घटना को अंजाम दिया। आरोपियों ने ठगी की रकम को अलग-अलग आठ खातों में लिया। उसके बाद आरोपियों ने उस पैसे को दर्जनों अलग-अलग खातों में आरटीजीएस और एनईएफ्टी के माध्यम से ट्रांसफर कर दिया। आरोपियों ने 60 लाख रुपये को डेबिट कार्ड की मदद से दुबई में विड्रॉल किया।

बसंतपुर पुलिस और साइबर की टीम ने एक अंतरराष्ट्रीय ठग को केरल से गिरफ्तार किया है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। बसंतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रार्थी से आरोपियों द्वारा शेयर मार्केट के नाम पर पूरी ठगी की गई। व्हाट्सएप ऐप के चैटिंग के माध्यम से पीड़ित को लिंक शेयर किया गया और ठगी की गई। साइबर ठगी के मामले में पुलिस लोगों को जागरूक करती है। उसके बाद भी साइबर ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। जिसमें प्रार्थी ठगी का शिकार हो जाते हैं। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दो लाख के इनामी नक्सली दंपति ने किया सरेंडर, कई बड़ी घटनाओं में रहे शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। पुलिस को एक बार फिर से नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान और शासन की नीति के तहत बड़ी कामयाबी मिली है। ओडिसा कालाहाण्डी एरिया कमेटी में सक्रिय नक्सली दंपति के द्वारा आत्मसमर्पण किया गया। छत्तीसगढ़ शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति एवं नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर तथा अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार नवीन सुरक्षा कैंप स्थापित कर पुलिस के बढ़ते प्रभाव से आत्मसमर्पण किया गया।

छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा पदों के अनुरूप आत्मसमर्पित दोनों नक्सलियों पर एक-एक लाख कुल दो लाख रुपये का इनाम घोषित है। दोनों आत्मसमर्पित नक्सली के.के.बी.एन डिवीजन अन्तर्गत कालाहाण्डी एरिया कमेटी में कालाहाण्डी एलओएस पार्टी सदस्य के पद पर सक्रिय रहे हैं। नक्सल दंपिति को आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित कराने में थाना पुलिस चिंतागुफा, 50 वाहिनी सीआरपीएफ, रेंज फिल्ड टीम

कोंटा (आरएफटी) एवं 206 कोबरा वाहिनी के आसूचना शाखा की विशेष प्रयास रही है।

आत्मसमर्पित नक्सलियों का विवरण

देवेन्द्रो उर्फ आयतु कुंजाम पुत्र पाण्डू निवासी उकुड थाना बासागुड़ा जिला बीजापुर वर्ष 2015 से 2016 तक ग्राम उकुड़ बाल संघम सदस्य। वर्ष 2017 माह नवंबर में तीन माह तक जगरगुण्ड़ा एरिया कमेटी पार्टी सदस्य। वर्ष 2018 माह फरवरी से 2022 माह मई तक कालाहण्डी एलओएस पार्टी सदस्य। वर्ष 2016 में जगरगुण्ड़ा एरिया कमेटी का नक्सली सन्ना नेत्त्व में ग्राम मण्डीमरका, उकूड़, सिगलेर, गोटोड के ग्रामीणो के साथ ग्राम कोंड़ासावली से ग्राम दुरनदरभा के बीच मुख्य मार्ग को खोदकर मार्ग अवरोध करने की घटना में शामिल रहा। वर्ष 2017 में थाना बासागुड़ा क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम सिलेगर से बासागुड़ा जाने के रास्ते में बाजार स्थल के पास पांच किलोग्राम आईईडी लगाने की घटना में शामिल रहा। उक्त आईईडी विस्फोट में तीन मवेशी मारे गये।

वर्ष 2017 माह दिसंबर में ग्राम सिलगेर और मण्डीमरका के बीच एम्बुष लगाने की घटना में शामिल रहा। वर्ष 2018 में कालाहाण्डी ओड़िशा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम तुरका पंचायत इच्छापुर के जंगल में पुलिस मुठभेड़ की घटना में शामिल रहा। वर्ष 2018 में कालाहाण्डी ओडिसा क्षेत्रान्तर्गत कोटोड घाटी में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ की घटना में शामिल रहा।

कर्ज न चुकाने पर नशे में धुत युवक ने की बहन से छेड़छाड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। में नशे की धुत में एक युवक अपना पैसा मांगने दूसरे व्यक्ति के घर गया। इस दौरान वह व्यक्ति अपने घर में मौजूद नहीं था। घर में उसकी बहन अकेली थी। इस पर युवक ने उसकी बहन का हाथ पकड़कर उसकी साथ छेड़छाड़ की और गाली-गलौज की। पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली थाने में दर्ज कराई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

कोतवाली थाना प्रभारी ने बताया कि 11 सितंबर को पीड़िता अपने घर पर अकेली थी। उसी

समय सुमित शराब के नशे में बुरी नियत से घर पहुंचा। उसने महिला से उसके भाई के बारे में पूछताछ की। सुमित ने महिला से बताया कि उसका भाई पैसा लेने के बाद वापस नहीं कर रहा है। इसी बात को लेकर गाली-गलौज करने लगा। साथ ही महिला को अकेले देख उसके साथ छेड़खानी भी की। फिलहाल की महिला की तहरीर के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कार्यालय प्राचार्या, शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय

चतुर्थ तल, चंदूलाल चंद्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय भवन परिसर, कचांदूर जिला- दुर्ग (छ.ग.)

फोन नं. 0788-2960077 ई-मेल: govconnur184@gmail.com

विज्ञापन (द्वितीय आमंत्रण)

शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय कचांदूर जिला दुर्ग हेतु 250 सीटर नर्सिंग छात्रावास हेतु किराए की भवन की आवश्यकता

Hostel Block (60 students)

क्र.	कक्ष का विवरण	क्षेत्रफल (वर्गफीट में)
1	डबल/सिंगल बेड रूम	24000 वर्गफीट
2	टायलेट सुविधाएं	1 बाथरूम एवं 1 टायलेट प्रति 5 छात्रा 500 वर्गफीट
3	अतिथि कक्ष	500 वर्गफीट (टायलेट सुविधा सहित)
4	अध्ययन कक्ष	250 वर्गफीट
5	भडार कक्ष	500 वर्गफीट
6	सामान्य कक्ष	500 वर्गफीट
7	भोजन कक्ष	3000 वर्गफीट
8	किचन एवं स्टोर	1500 वर्गफीट
	कुल	30750 वर्गफीट

टीप:- नियम-शर्तें:-

1. ईच्छुक भवन स्वामी अपना प्रस्ताव तथा भवन से संबंधित दस्तावेज बंद लिफाफे में शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय कचांदूर जिला दुर्ग के पते चतुर्थ तल, चंदूलाल चंद्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय भवन परिसर, कचांदूर जिला दुर्ग (छ.ग.) पर रजिस्टर्ड पोस्ट अथवा स्पीड पोस्ट द्वारा दिनांक 03.10.2024 तक समय 3.00 अपरान्ह तक प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें । (लिफाफे के उपर छात्रावास किराए के भवन हेतु प्रस्ताव अंकित कराना आवश्यक है।)
2. प्राप्त प्रस्ताव दिनांक 03.10.2024 को दोपहर समय 4.00 अपरान्ह पर महाविद्यालय की समिति द्वारा खोला जाएगा ।
3. विज्ञापन की शेष नियम-शर्तें महाविद्यालय की website - www.gcondurg.co.in में अवलोकन किया जा सकता है।
4. पूर्व में जारी तत्संबंधी विज्ञापन (प्रकाशन दिनांक 12.06.2024) के नियम-शर्तें कंडिका क्र. 0 12 में संशोधन किया जाता है कि वांछित भवन की दूरी शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय कचांदूर जिला दुर्ग से लगभग 5 किमी से 15 किमी की दूरी तक होना चाहिए ।

जी -242502452/4

प्राचार्या
शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय
दुर्ग, छ.ग.

रायपुर में शेयर ट्रेडिंग के नाम पर ठगी, चेन्नई और गुजरात से पकड़ाए आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में ठगी का मामला बढ़ते जा रहा है। एक ओर शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा कमाने के नाम से 88 लाख रुपये का ठगी किया गया। वहीं दूसरी ओर एल्यूमिनियम माल सप्लाई को लेकर 15 लाख रुपये की ठगी का ठगी किया गया। मामले में पुलिस ने शेयर ट्रेडिंग के नाम से ठगी करने वाला आरोपी चेन्नई और एल्यूमिनियम माल सप्लाई में ठगी कर एक साल से फरार आरोपी को गुजरात से गिरफ्तार किया गया है।

प्रार्थी रश्मि ने शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा कमाने के नाम से उनसे 88 लाख रुपए की ठगी होने की रिपोर्ट रेंज साइबर थाना में दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपियों द्वारा उपयोग किए जा रहे बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की ट्रांजैक्शन साथ ही आईपी की जानकारी प्राप्त की

गई। इसके बाद पता चला कि पी हरिकिशोर सिंह बिहार निवासी, चेन्नई में जाकर सिम कार्ड, खाता अरेंज कर मुर्शिदाबाद वेस्ट बंगाल में अन्य साथियों के साथ मिलकर ठगी की घटना को अंजाम था। मामले में आरोपी के खिलाफ कर्नाटक बैंगलोर में भी रिपोर्ट दर्ज है। आरोपी को चेन्नई से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। प्रकरण में 57 लाख रुपए बैंक खाता में होल्ड कराया गया है।

दूसरी ओर प्रार्थी ने देवेन्द्र नगर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया। उसने रिपोर्ट में बताया कि रायपुर के विशाल बिल्डर द्वारा एल्यूमिनियम कम्पोजिट पैनल, स्ट्रक्चर ग्लेजिंग, एयुमिनियम डोर्स और विन्डोज इत्यादि का काम करने के लिए वर्क ऑर्डर के संबंध में माल सप्लाई और काम के लिए वर्क ऑर्डर जयदेव दुआ जवाहर नगर वासना अहमदाबाद को दिया था। इस पर प्रार्थी ने 2019 में पांच लाख रुपये एडवांस दिया था, जिसके बाद जयदेव दुआ द्वारा कुछ माल भिजवाया था। इसके बाद कुछ दिनों बाद फिर 22 लाख 93 हजार 212 रुपये का इनवाईस भेजा।

जिस पर प्रार्थी विश्वास करके 2019 में ही कुछ महीने बाद 10 लाख रुपये बतौर अग्रिम राशि जयदेव दुआ को दिया गया। इसके बाद जयदेव दुआ द्वारा न ही प्रार्थी को आश्वासन के अनुसार माल भेजा गया और ना ही साइट पर किसी भी प्रकार का काम किया गया। जयदेव दुआ द्वारा टाल मटोल किये जाने के कारण प्रार्थी को अपने फर्म को अन्य ठेकेदार से उपरोक्त साईट का कार्य करवाना पड़ा। मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी जयदेव दुआ को गुजरात से गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमाण्ड पर रायपुर लाया है।

सुमित बाजार का शटर टूटा डेढ़ लाख की चोरी

बालोद। शहर के गंजपारा में बुधवार को देर रात सुमित बाजार का ताला तोड़कर एक चोर ने डेढ़ लाख की चोरी कर ली। आश्चर्यजनक यह रहा कि चोरी सिर्फ 12 मिनट में पूरी कर ली गई। एसडीओपी देवांश राठौर के अनुसार चोर इतना शातिर था कि 12 मिनट में ही चोरी की घटना को अंजाम दे दिया। रात 3 बजे जब शहर सूना हुआ तो रॉड लेकर शटर का ताला तोड़ा। फिर लॉकर से करीब एक लाख 45 हजार रुपए पार कर दिया। घटना के बाद कुछ अहम सुराग मिले हैं। जिसके आधार पर जांच की जा रही है। जल्दी ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

गरिमानुरूप हो ऐतिहासिक बस्तर दशहरा- साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने यहां अपने निवास कार्यालय 75 दिन तक मनाए जाने वाले देश के ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व के सफल आयोजन के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक ली। उन्होंने इस दौरान बस्तर दशहरा पर्व की गरिमा के अनुरूप सफलतापूर्वक आयोजन के लिए सर्व संबंधितों को सौंपे गए दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वहन किये जाने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि 75 दिन तक चलने वाला बस्तर दशहरा पर्व हरेली अमावस्या के दिन पाट जात्रा पूजा विधान के साथ 4 अगस्त 2024 से शुरू हो गया है, जो कि 19 अक्टूबर 2024 तक मनाया जाएगा। यह दशहरा पर्व विभिन्न जनजातीय समुदायों की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक भावना का महत्वपूर्ण प्रतीक है।

मुख्यमंत्री श्री साय को इस दौरान बस्तर दशहरा उत्सव समिति द्वारा इसमें तिथिवार विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व के दौरान 15 अक्टूबर 2024 को मुड़िया दरबार का आयोजन होगा। इसी तरह बस्तर दशहरा को भव्य रूप देने के लिए बस्तर मड़ई, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स मीट, एक पेड़ बस्तर के देवी-देवताओं के नाम, बस्तर टूरिस्ट सर्किट, दसरा पसरा, नगरगुड़ी टेंट सिटी, टूरिज्म ट्रेवलर्स आपरेटर मीट, देव सराय, स्वच्छता पखवाड़ा जैसे विविध कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। बस्तर दशहरा पर्व में लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष यात्री बसों के संचालन के सम्बंध में भी चर्चा की गई।

4 अगस्त को पाट जात्रा पूजा विधान से शुरू हुए ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व 2024 के अंतर्गत 2 अक्टूबर को काछनगादी पूजा विधान, रेलामाता पूजा विधान। 5 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक प्रतिदिन नवरात्रि पूजा विधान, रथ परिक्रमा पूजा विधान। 12 अक्टूबर को मावली परघाव विधान, 15 अक्टूबर को काछन जात्रा पूजा विधान और मुरिया दरबार, 16 अक्टूबर को कुटुम्ब जात्रा पूजा विधान, 19 अक्टूबर को मावली माता जी की डोली की विदाई पूजा विधान आयोजित है।

गौरतलब है कि मुरिया दरबार में विभिन्न जनजातीय समुदायों के प्रमुख, नेता और प्रशासनिक अधिकारी मिलकर संस्कृति, परंपरा और प्रथाओं को सहेजने और सामुदायिक मांग तथा समस्याओं पर विचार करते हैं। इस वर्ष 15 अक्टूबर को मुरिया दरबार का आयोजन किया जाएगा।

मुरिया दरबार आयोजन के 10 दिन बाद बस्तर संभाग के मांझी, चालकी, मेम्बर, मेम्बरीन, पुजारी, कोटवार, पटेल, मातागुड़ी के मुख्य पुजारियों का सम्मेलन आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा कई अभिनव पहल की जा रही है। द बस्तर मड़ई के अंतर्गत बस्तर की प्राकृतिक सौन्दर्य, एतिहासिक एवं पुरातत्विक स्थलों, एडवेंचर स्थलों, सांस्कृतिक स्थलों से पर्यटकों को अवगत कराने के लिए प्रशासन द्वारा द बस्तर मड़ई की अवधारणा तैयार की गयी है।

बस्तर मड़ई के अंतर्गत 21 सितम्बर को सामूहिक नृत्य कार्यक्रम, 21 सितम्बर से 1 अक्टूबर तक बस्तर हाट-आमचो खाजा, 24 सितम्बर को सिरहासार परिसर मैदान में बस्तर नाचा, 27 सितम्बर को पारंपरिक लोक संगीत, 29 सितम्बर को बस्तर की कहानियां एवं हास्य कवि सम्मेलन, 30 सितम्बर को बस्तरिया नाचा जैसे कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन होगा। 2 अक्टूबर से बस्तर दशहरा 2024 की समाप्ति तक बस्तर के पारंपरिक व्यंजन के स्टॉल लगाए जाएंगे।

योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने की जिम्मेदारी आईएएस अफसरों की- साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में छत्तीसगढ़ आईएएस एसोसिएशन के कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आईएएस अधिकारियों पर शासन की योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने की बड़ी जिम्मेदारी रहती है। मुख्यमंत्री को छत्तीसगढ़ आईएएस एसोसिएशन के सदस्यों ने दिव्यांग बच्चों द्वारा बनाया गया स्मृति चिन्ह भेंट किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आईएएस अधिकारियों और राजनेताओं का जीवन बहुत कुछ एक जैसा होता है। दोनों का उद्देश्य जनसेवा ही रहता है । आईएएस अधिकारी के रूप में आप हमेशा व्यस्त रहते हैं, अपने घर पर भी समय नहीं दे पाते। आईएएस अधिकारी इस सेवा में आने के लिए विशेष पढ़ाई करते हैं। आप सभी बुद्धिजीवी हैं लेकिन समाज से ही आते हैं । हम सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं। हमारा कर्तव्य राज्य की 3 करोड़ जनता की सेवा करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में अपने कार्य के द्वारा अपनी पहचान बनाना सबसे महत्वपूर्ण होता है। आप अपने कार्यक्षेत्र में ऐसा काम करें कि आपके जाने के बाद भी लोग आपको याद करें । जनता के मन में आपकी स्मृति ऐसी हो कि उन्हें लगे कि वे अधिकारी बहुत अच्छे थे, वे सभी की सुनते थे और समस्याओं का त्वरित निराकरण करते थे। हमें टीम भावना से मिल कर कार्य करना है । छत्तीसगढ़ को विकसित छत्तीसगढ़ के रूप में खड़ा करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है। हमारी बहुत अच्छी टीम है। आशा है कि हम प्रदेश को बहुत आगे ले जाएंगे । इस अवसर पर मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिरीक्षक अशोक जुनेजा, छत्तीसगढ़ आईएएस एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज पिंगुआ, सचिव आर प्रसन्ना सहित अधिकारीगण उपस्थित थे।

साय सरकार बदल रही पहाड़ी कोरवाओं की जिंदगी, ईंट उठाने वाले हाथों में है अब चाक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पहाड़ी कोरबा सागर कुछ माह पहले तक एक मजदूर था। हाथ में कुछ काम नहीं होने की वजह से वह गाँव में एक ठेकेदार के पास जाकर ईंट ढोने का काम किया करता था। इससे उन्हें जी भर के परिश्रम करना पड़ता था और पैसे भी कम मिलते थे। घर में माता-पिता की जिम्मेदारी उठाने और अपना खर्च निकालने के लिए सागर को यह काम हर हाल में तब भी करना पड़ता था जब कभी उसे शारीरिक थकावट महसूस होती थी। वह चाहकर भी ऐसी नौकरी नहीं कर पा रहा था, जिससे उसका ईंट ढोने के कार्य से पीछा छूटे।

विशेष पिछड़ी जनजाति के पहाड़ी कोरवा सागर के लिए रोजी-रोटी की व्यवस्था एक बड़ी चुनौती बन गई थी, क्योंकि उनके हाथों को हर दिन काम मिल जाए यह भी जरूरी नहीं था। इसी बीच मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा जब जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के योग्य बेरोजगार युवकों को नौकरी देने की शुरुआत की गई तो पहाड़ी कोरवा सागर ने भी अपना आवेदन जमा किया। पहाड़ी कोरवा सागर के दस्तावेजों की जाँच के पश्चात उसका चयन कर लिया गया। विषम परिस्थितियों में रहकर गरीबी के बीच मजदूरी करने वाला पहाड़ी कोरवा सागर के हाथ से अब कोई ईंट नहीं उठता बल्कि इन्हीं परिश्रमी हाथों को चाक और किताबों का साथ मिल गया है। पहाड़ी कोरवा सागर अब प्राथमिक शाला के विद्यार्थियों को शिक्षा देकर आगे बढ़ने का संदेश दे रहा है।

कोरबा ब्लॉक के ग्राम चीतापाली में पदस्थ पहाड़ी कोरवा सागर ने बहुत संघर्षों से बारहवीं पास किया। इस बीच कोई काम नहीं होने की वजह से वह अपने पिता की तरह मजदूरी का काम करने लगा। जंगल से निकलकर पहले पढ़ाई फिर मजदूरी करना और घर का खर्च उठाना यह सब उसके संघर्षमय जीवन की कहानी थी। सागर ने बताया कि पिताजी सहित उनके परिवार के अधिकांश सदस्य बहुत गरीब है और उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वह बारहवीं तक की पढ़ाई कर पाएगा। सागर ने बताया कि 2022 में 12वीं पास करने के बाद उन्हें मजदूरी करनी पड़ती थी। इस बीच ट्रैक्टर में ईंट उठाकर डालने और उसे ढो कर उतारने का काम करना पड़ता था। इस बीच शरीर में दर्द होने के बाद भी काम करना पड़ता था। सागर ने बताया कि उन्हें यकीन नहीं होता कि वह शिक्षक बन गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा हम पहाड़ी कोरवाओं को नौकरी देकर बहुत बड़ा उपकार किया गया है।

उन्होंने बताया कि नौकरी लगने से घर-परिवार से लेकर रिश्तेदारों और समाज में खुशी का वातावरण है। पहाड़ी कोरवा सागर का कहना है कि अब उसकी पूरी दिनचर्या बदल गयी है। स्कूल में पढ़ाने के साथ ही बहुत कुछ सीखने को भी मिल रहा है जो आने वाले समय में अपने बच्चों को सिखाने के काम आएंगे। स्कूल में टाइम के अनुसार उन्हें पढ़ाना होता है। इस कार्य से उसे बहुत खुशी महसूस हो रही है। वह कहता है कि नौकरी भले ही उन्हें डीएमएफ से मानदेय आधार पर मिली है लेकिन यह उसकी खुशियों की वह सीढ़ी है जिससे आने वाले कल का नया भविष्य तैयार हो पाएगा और आर्थिक स्थिति भी मजबूत बन पाएगी।

विकास में हो सबकी सहभागिता-राजस्व मंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा एवं रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बलौदाबाजार जिला मुख्यालय स्थित नगर भवन में आयोजित भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने 10 करोड़ 34 हजार रूपए लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण किया। इसमें नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार में 7 करोड़ 3 लाख 98 हजार रुपए के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं 2 करोड़ 96 लाख 36 हजार रुपये के निर्माण कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं को पंजीयन प्रमाण पत्र एवं प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना के तहत 50 हजार रुपए का चेक वितरित किया गया। सांसद श्री अग्रवाल ने नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष चित्तावर जायसवाल की मांग पर लगभग एक करोड़ 26 लाख रूपये के विभिन्न निर्माण कार्यों का स्वीकृति प्रदान की।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि नगरपालिका को सुंदर, स्वच्छ बनाने में हम सबकी भागीदारी होनी चाहिए। आपसी भाई-चारा के साथ खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए भी सामूहिक जिम्मेदारी लेनी होगी। निर्माण सम्बन्धी विकास कार्यों के साथ ही सांस्कृतिक विकास पर भी ध्यान देना होगा। सांसद श्री अग्रवाल ने कहा कि शहरों में निर्माण कार्य लगातार बढ़ रहे हैं। निर्माण के साथ उसका संरक्षण करना भी नागरिकों का कर्तव्य है। नगर की पहचान केवल अच्छी सड़कें, बिजली, पानी की सतत् आपूर्ति ही नहीं बल्कि वहां के नागरिकों के प्रतिभा एवं गुणों से भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर को सुन्दर बनाने में नागरिकों को जिम्मेदारी लेनी होगी। कार्यक्रम को पूर्व विधायक भाटापारा शिवरतन शर्मा एवं नगर पालिका अध्यक्ष चित्तावर जायसवाल ने भी सम्बोधित किया।

राज्यपाल डेका से भिलाई स्टील प्लांट के डीजीएम ने सौजन्य भेंट की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज यहां राजभवन में भिलाई स्टील प्लांट के डिप्टी जनरल मैनेजर मुकुल सहरिया ने सौजन्य भेंट की।

आने वाली पीढ़ियां सामाजिक एकता से होंगी रूबरू- देवांगन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सामाजिक एकता विपरीत परिस्थिति में भी एक दूसरे को मदद करने के लिए प्रेरित करती है। एकजुट रहना, मजबूत रिश्ते और मजबूत समाज के निर्माण में एकता विशेष महत्व रखता है। प्रदेश के अन्य समाज की भांति देवांगन समाज भी छत्तीसगढ़ के विकास में सहभागी है।

यह समाज व्यापार और व्यवसाय के क्षेत्र में आगे आकर समाज को आगे ले जाने में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। इस आशय के उद्गार वाणिज्य उद्योग एवं श्रममंत्री लखनलाल देवांगन ने रायपुरा स्थित सत्यम विहार में परमेश्वरी भवन में आयोजित देवांगन समाज के नव निर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के आसंदी से कही। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि हमें अपने बच्चों की शिक्षा-दीक्षा के प्रति विशेष ध्यान दिए जाने की जरूरत

है, जिससे समाज तरक्की के राह पर आगे बढ़ सके। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि आज देवांगन समाज की एकजुटता मिशाल है। हमारे आने वाली पीढ़ी भी सामाजिक एकता और समरसता के बारे में इसी तरह से मिशाल पेश करेगा। हमारा यह कर्तव्य है कि पारंपरिक और आधुनिक समाज की मुख्यधारा में सभी को शामिल कर सकें तो निश्चित रूप से वे समृद्ध व लाभान्वित हो सकते हैं।

इससे समाज और मजबूत बन सकता है। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने माता परमेश्वरी की पूजन अर्चना कर समाज की समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंत्री श्री देवांगन ने समाज के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने कहा की विष्णु देव सरकार आने के बाद हर योजना का तेजी से क्रियान्वयन किया जा रहा है। धरसीवा विधायक अनुज शर्मा, देवांगन समाज के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप देवांगन, नरेंद्र देवांगन, किरण देवांगन, दद्दू देवांगन, ओम प्रकाश देवांगन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री राजवाड़े ने वजन त्यौहार का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर जिले के आंगनबाड़ी केंद्र बीरपुर से वजन त्यौहार 2024 का शुभारंभ किया। महिला एवं बाल विकास परियोजना सिलफिली के सेक्टर पार्वतीपुर के आंगनबाड़ी केंद्र बीरपुर से वजन त्यौहार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राष्ट्रीय पोषण माह के तहत 12 से 23 सितंबर तक वजन त्यौहार कार्यक्रम चलाया जाता है, जिसकी शुरूआत आज से राज्य के प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्रों में की गई।

सूरजपुर जिले के बीरपुर आंगनबाड़ी केंद्र में वजन त्यौहार कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि माताओं को बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष तौर से ध्यान देना चाहिए। उन्हें संतुलित तथा पौष्टिक आहार का सेवन कराएं, ताकि उनका स्वास्थ्य अच्छा एवं वजन संतुलित हो। इस दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया। उन्होंने राष्ट्रीय पोषण माह 2024 की गतिविधियों की जानकारी भी ली। उन्होंने स्कूल की बच्चियों की एनीमिया जांच की जानकारी ली और स्वयं का स्वास्थ्य जांच भी कराया।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय पोषण माह के तहत राज्य में वजन त्यौहार कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। इस कार्यक्रम का आयोजन 12 से 23 सितंबर 2024 तक किया जाना है, जिसमें शून्य से 06 वर्ष से कम बच्चों का वजन एवं ऊंचाई जांच कर कम वजन वाले बच्चों को चिन्हित कर कुपोषण की स्थिति का पता लगाया जाएगा। इस दौरान उनके कुपोषण के स्तर की भी जांच की जाएगी। वजन त्यौहार का उद्देश्य 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों के पोषण स्तर का आंकलन कर शत-प्रतिशत रूप में सुपोषित करना है।

राज्यपाल डेका का स्काउट गाइड मुख्य संरक्षक अलंकरण बैज लगाकर किया गया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका को छत्तीसगढ़ स्काउट गाइड के मुख्य संरक्षक अलंकरण बैज लगाकर सम्मानित किया गया। राज्यपाल रमेन डेका को राजभवन में संस्था के पदाधिकारियों ने भारत स्काउट गाइड के राष्ट्रीय मुख्यालय से प्राप्त बैज पहनाया और स्मृति चिन्ह भेंट किया। राजभवन में आयोजित छत्तीसगढ़ के स्काउट-गाइड के एक संक्षिप्त कार्यक्रम में संस्था को पदाधिकारियों से मिलकर राज्यपाल श्री डेका ने प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि स्काउट-गाइड

की समाज में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा बच्चों को स्काउट गाइड में शामिल होने के लिए प्रेरित करें जिससे उनमे अनुशासन और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा मिलेगा और वे देश के अच्छे नागरिक बनेंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950